वेद-वार्ता
Veda-Vārtā

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन
(वेदों की मौखिक परम्परा / श्रुति परम्परा का संरक्षण एवं संवर्धन हेतु
शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा 1987 में संस्थापित स्वायत्तशासी संस्थान)
त्रैमासिक वार्तापत्र

MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDAVIDYA PRATISHTHAN, UJJAIN
(An autonomous organization established in 1987 by M/o Education, Govt. of India
for the preservation and promotion of Oral Tradition of Vedas)
QUARTERLY NEWSLETTER

स्थापना वर्ष - 1987 | विक्रम संवत् 2083 | जुलाई 2026 से सितम्बर 2026 तक | कुल पृष्ठ संख्या - 36 | अङ्क : 55

समाचार सङ्केतिका

* साचिव्यम् 01-02
* प्रतिष्ठान एवं श्री माँ विन्ध्यवासिनी श्रवण वेद पाठशाला समिति, मिर्जापुर, उत्तरप्रदेश के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन 03-04
* सस्वर वेद की मौखिक परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिष्ठान के प्रयासों से परिचित हुए विशिष्ट अतिथि 04-06
* प्रतिष्ठान की महासभा, शासी परिषद एवं वित्त समिति में नव मनोनीत सदस्य 06-07
* प्रतिष्ठान में नवनियुक्त अधिकारी 07
* शैक्षणिक सत्र 2025-26 की वेदभूषण एवं वेदविभूषण की पूरक परीक्षाओं के परिणामों का प्रकाशन 07
* शैक्षणिक सत्र 2025-26 की वेद सम्बन्धी कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रमों (एनएसक्यूएफ स्तर 2.5 एवं 3.0) के परीक्षा परिणामों का प्रकाशन 07-08
* विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा सङ्कल्प अभियान 08
* प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित 'सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ' का सप्तम वार्षिकोत्सव समारोह 08-09
* शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रथम त्रैमासिक परीक्षा का आयोजन 09
* हर घर तिरङ्गा अभियान, 2026 में प्रतिष्ठान की सहभागिता एवं स्वतन्त्रता दिवस, 2026 10
* महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान का 40 वाँ स्थापना दिवस समारोह-2026 11-13
* महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन में संस्कृत सप्ताह महोत्सव, 2026 का आयोजन 13-14
* हिन्दी माह-2026 : राजभाषा हिन्दी की अनुगूँज से मुखरित हुआ प्रतिष्ठान 14-15
* राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी, असम के द्वितीय स्थापना दिवस समारोह का आयोजन 15-16
* राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका, गुजरात के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन 16
* प्रतिष्ठान एवं श्री त्रिवेणी संस्कृत वेद विद्यापीठ, सिलीगुड़ी, पश्चिम बङ्गाल के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन 16-18
* प्रतिष्ठान एवं माँ गायत्री वेद विद्यालय, गमिरि, गधरिया बस्ती, असम के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन 18-19
* विघ्नहर्ता की आराधना से मङ्गलमय हुआ प्रतिष्ठान परिसर 19
* प्रतिष्ठान के वेद अनुसन्धान केन्द्र द्वारा वेद व्याख्यान माला का आयोजन 19-20
* प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर हृदयरञ्जन शर्मा पुनः मनोनीत 20
* वेदविद्या के संरक्षण एवं संवर्धन के सङ्कल्प के साथ महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के अन्तर्गत सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक के द्वितीय स्थापना दिवस समारोह का आयोजन। 20-21
* वेदविद्या के संरक्षण एवं संवर्धन के सङ्कल्प के साथ महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के अन्तर्गत सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन का नवम स्थापना दिवस समारोह 21
* वेद ज्ञान सप्ताह 2026 : वैदिक ज्ञान परम्परा का सप्ताहव्यापी आयोजन 22-23
* प्रतिष्ठान में स्वच्छता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन 23
* राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों का गतिविधि वृत्तान्त 23-27
* प्रतिष्ठान द्वारा अनुदानित वेद पाठशालाओं में विविध गतिविधियों का विवरण 27-30
* महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की स्थापना, उद्देश्य एवं प्राधिकरण 31-32
* प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्यकलाप 32
* महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड को मान्यता 32-33
* वेदभूषण एवं वेदविभूषण की परीक्षा रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम संरचना 33-34
* अनुलग्नक - 1 35-36

साचिव्यम्

प्रिय पाठको ! वर्ष 1987 में स्थापित यह प्रतिष्ठान अपने गौरवशाली 40 वर्ष पूर्ण कर चुका है। इस विशिष्ट अवसर पर वेद-वार्ता के इस अङ्क को आप सभी के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यन्त हर्ष हो रहा है। विवेच्य अवधि में प्रतिष्ठान द्वारा अनेक महत्त्वपूर्ण गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका संक्षिप्त विवरण इस अङ्क में प्रस्तुत किया गया है।

यह सर्वविदित है कि प्रतिष्ठान वर्ष 1987 से वेदों की श्रुति परम्परा के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के लिए निरन्तर कार्यरत है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिष्ठान द्वारा विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का सञ्चालन किया जाता है। त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन भी इन्हीं महत्त्वपूर्ण गतिविधियों में से एक है। इसी क्रम में मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। साथ ही, प्रतिष्ठान की महासभा, शासी परिषद् एवं वित्त समिति में नवसदस्यों को मनोनीत किया गया, जिससे प्रतिष्ठान के सङ्कल्पों को नई ऊर्जा एवं गति प्राप्त होगी।

भारत सरकार के शिक्षा मन्त्रालय द्वारा दिनाङ्क 08 अगस्त, 2022 को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड, उज्जैन की स्थापना की गई। बोर्ड की स्थापना का उद्देश्य वेदाध्ययन को राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली से जोड़ते हुए सस्वर वेद एवं सहगामी आधुनिक विषयों की मानकीकृत एवं गुणवत्तापूर्ण परीक्षा प्रणाली विकसित करना है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए बोर्ड द्वारा प्रतिवर्ष वेदभूषण पञ्चम वर्ष (कक्षा-10वीं) एवं वेदविभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा 12वीं) स्तर की परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में वार्षिक परीक्षा के उपरान्त शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु आयोजित वेदभूषण प्रथम से पञ्चम वर्ष (कक्षा-6ठी से कक्षा-10वीं) एवं वेदविभूषण प्रथम एवं द्वितीय वर्ष (कक्षा-11वीं एवं कक्षा-12वीं) की पूरक परीक्षाओं के परिणाम तथा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के वेद सम्बन्धी कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रमों (एनएसक्यूएफ स्तर 2.5 एवं 3.0) के परीक्षा परिणाम भी इस विवेच्य अवधि में प्रकाशित किए गए हैं। अपने अभीष्ट को प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभाशंसाएँ।

युवा वर्ग देश की अमूल्य सम्पत्ति है। ऐसे में युवाओं को सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना तथा समय-समय पर उनका मार्गदर्शन करना अत्यन्त आवश्यक हो जाता है। माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा सङ्कल्प अभियान' के सन्दर्भ में किए गए आह्वान ने वेद विद्यार्थियों सहित समस्त युवा वर्ग को स्वस्थ, संयमित एवं उत्तरदायी जीवन के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय चेतना की भावना को अभिव्यक्त करते हुए प्रतिष्ठान द्वारा 'हर घर तिरङ्गा अभियान, 2026' में सहभागिता की गई तथा स्वतन्त्रता दिवस, 2026 का आयोजन किया गया। प्रतिष्ठान की सारस्वत यात्रा के 40 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 40वाँ स्थापना दिवस समारोह-2026 भी आयोजित किया गया। यह अवसर प्रतिष्ठान की अब तक की यात्रा के सिंहावलोकन के साथ-साथ आत्ममन्थन करते हुए भविष्य के लिए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु नवीन सङ्कल्प लेने का भी रहा।

संस्कृत के वैशिष्ट्य एवं उसकी लोक उपादेयता से सभी भली-भाँति परिचित हैं। यद्यपि संस्कृत प्रतिष्ठान के मूल में है तथा प्रतिष्ठान की दैनन्दिन कार्य संस्कृति का अभिन्न अङ्ग है, तथापि संस्कृत सप्ताह महोत्सव-2026 के आयोजन ने वेद विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का सञ्चार किया। इसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों ने विभिन्न कार्यक्रमों में अत्यन्त मनोयोग एवं उत्साह के साथ सहभागिता की। इसी सातत्य में हिन्दी माह-2026 के आयोजन के माध्यम से राजभाषा हिन्दी की अनुगूँज से प्रतिष्ठान मुखरित हुआ। हिन्दी के प्रति सम्मान, अनुराग और दायित्वबोध को अभिव्यक्त करते हुए विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इन आयोजनों ने न केवल हिन्दी के प्रति आत्मीयता को अभिव्यक्ति दी, अपितु प्रतिष्ठान की कार्य-संस्कृति में राजभाषा हिन्दी के महत्त्व को भी रेखाङ्कित किया ।

प्रतिष्ठान के अन्तर्गत सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की सङ्कल्पना वेदाध्ययन की समृद्ध परम्परा को आधुनिक शिक्षा-व्यवस्था के साथ समन्वित करते हुए विद्यार्थियों के सर्वाङ्गीण विकास की दृष्टि से की गई है। इस सङ्कल्पना को मूर्त रूप प्रदान करते हुए देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय वेदाध्ययन, आधुनिक शिक्षा एवं संस्कारपरक शिक्षण के इस उद्देश्य को निरन्तर आगे बढ़ा रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी के द्वितीय स्थापना दिवस समारोह; राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका, गुजरात के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह; राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक के द्वितीय स्थापना दिवस समारोह तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के नवम स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

वेदों की ज्ञान-परम्परा को व्यापक जनसमुदाय तक पहुँचाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में वैदिक अध्ययन के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सिलीगुड़ी, पश्चिम बङ्गाल तथा गमिरि, असम में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलनों का आयोजन किया गया। इन सम्मेलनों के माध्यम से वैदिक विद्वानों, आचार्यों, विद्यार्थियों एवं जिज्ञासुओं को एक साझा मञ्च प्राप्त हुआ, जहाँ वैदिक ज्ञान, अध्ययन-परम्परा एवं समकालीन जीवन में उसकी प्रासङ्गिकता पर विचार-विमर्श हुआ। वेदों से निःसृत शाश्वत ज्ञान केवल अध्ययन और अध्यापन तक सीमित न रहकर जीवन के प्रत्येक पक्ष में मङ्गल, अनुशासन और लोककल्याण की भावना को प्रतिष्ठित करता है। इसी मङ्गलभाव को आत्मसात करते हुए प्रतिष्ठान परिसर में विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश की आराधना का आयोजन किया गया। ज्ञान के साथ स्वच्छता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी जीवन-मूल्यों का अभिन्न अङ्ग हैं। इसी भावना को व्यवहार में रूपान्तरित करने के उद्देश्य से प्रतिष्ठान में स्वच्छता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वेद ज्ञान के प्रति जन-जागरण एवं विद्यार्थियों में वैदिक अध्ययन के प्रति रुचि विकसित करने की दिशा में प्रतिष्ठान एवं गुरुचरण विश्वविद्यालय, सिलचर, असम के तत्त्वावधान में सिलचर, असम में वेद ज्ञान सप्ताह-2026 का सफल आयोजन किया गया। सप्ताह पर्यन्त आयोजन के माध्यम से विद्वानों, विद्यार्थियों एवं जनमानस के बीच वेदों की ज्ञान-परम्परा, उनके जीवनोपयोगी पक्ष तथा भारतीय संस्कृति में उनके महत्त्व को रेखाङ्कित किया गया। इस अङ्क में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों की शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों का गतिविधि प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया गया है। साथ ही, प्रतिष्ठान द्वारा अनुदानित वेद पाठशालाओं में आयोजित विभिन्न गतिविधियों का विवरण भी सम्मिलित किया गया है।

पाठकवृन्द अभिमुख यह अङ्क प्रतिष्ठान की विविध गतिविधियों का सङ्कलन मात्र नहीं है, अपितु उस अविरल वैदिक ज्ञानधारा की एक विनम्र अभिव्यक्ति है, जो युगों से भारतीय मनीषा को आलोकित करती हुई प्रवर्तमान भी अपनी जीवन्तता बनाए हुए है। इसमें सङ्कलित विविध गतिविधियाँ, ज्ञान-विमर्श और शैक्षणिक, सह शैक्षणिक प्रयास इसी सतत परम्परा के सातत्य को प्रवर्तमान पीढ़ी से जोड़ने का प्रयास है। आशा है कि इस अङ्क के पृष्ठों में सञ्चित ज्ञान, चिन्तन एवं साधना पाठकों के अन्तःकरण में वेदों के प्रति श्रद्धा और जिज्ञासा को जाग्रत करने के साथ-साथ अपनी ज्ञान-परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति उत्तरदायित्व बोध को भी सुदृढ़ करेंगे।

प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, सचिव, म.सा.रा.वे.वि.प्र., उज्जैन

• अध्यक्ष : **श्री प्रल्हाद जोशी**
माननीय शिक्षा, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मन्त्री, भारत सरकार एवं माननीय अध्यक्ष, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

• उपाध्यक्ष : **प्रो. हृदयरञ्जन शर्मा**
माननीय उपाध्यक्ष, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

• प्रधान सम्पादक : **प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्**
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

• सम्पादक : **डॉ. अनूप कुमार मिश्र**
सहायक निदेशक, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

• सह-सम्पादक : **श्री देवाशीष तिवारी**
कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

डॉ. शम्भुनाथ मण्डल
कनिष्ठ शोध अध्येता, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान

• तकनीकी सहयोग : **श्री शैलेन्द्र डोडिया**
डी.ई.ओ., महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान



प्रकाशक : **महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.)**
(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्तशासी संस्थान)
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड, उज्जैन (म.प्र.)
(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा संस्थापित तथा केन्द्रीय व राज्य बोर्डों के समकक्ष मान्यता प्राप्त ; भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006 दूरभाष : (0734) 2502254, 2502255
ई-मेल : msrvvpujn@gmail.com वेबसाइट : www.msrvvp.ac.in

प्रतिष्ठान एवं श्री माँ विन्ध्यवासिनी श्रवण वेद पाठशाला समिति, मिर्जापुर, उत्तरप्रदेश के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन

वेदों के ज्ञान से भारत बनेगा विश्व गुरु - श्री केशव प्रसाद मौर्य, माननीय उप मुख्यमन्त्री, उत्तर प्रदेश

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन एवं श्री माँ विन्ध्यवासिनी श्रवण वेद पाठशाला समिति, मिर्जापुर, उत्तरप्रदेश के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन दिनाङ्क 13 से 15 सितम्बर 2026 तक किया गया।

दिनाङ्क 13 सितम्बर 2026 को सम्मेलन के प्रथम दिन प्रातःकाल वेद सन्देश यात्रा का आयोजन किया गया। माँ विन्ध्यवासिनी मन्दिर के मुख्य द्वार से प्रारम्भ हुई इस भव्य यात्रा में वेदमूर्ति आचार्य एवं वेद विद्यार्थी सम्मिलित हुए। प्रतिभागी वेद मन्त्र लिखे हुए पोस्टर और ध्वजा लेकर यात्रा में सम्मिलित हुए। माँ विन्ध्यवासिनी मन्दिर के मुख्य द्वार से निकली यात्रा 'ग्रामे ग्रामे वेदाभ्यासः', 'वेद पढ़ाओ, देश बचाओ', 'वेद की रक्षा, देश की रक्षा' इत्यादि उद्घोष करते हुए नगर के मध्य से होकर विन्ध्य रेजिडेन्सी के सभागार में पूर्ण हुई। तत्पश्चात चतुर्वेद पारायण का कार्यक्रम हुआ, जिसमें वेद की विभिन्नों शाखाओं के वैदिक विद्वानों ने मन्त्र पाठ किया। इसके अनन्तर सम्मेलन का उद्घाटन सत्र आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के माननीय उप मुख्यमन्त्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वेद हमारी संस्कृति का मूल है। राष्ट्र की रक्षा के लिए वेद की रक्षा करना आवश्यक है। वर्तमान केन्द्र व राज्य सरकार वैदिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष अनुदान का प्रावधान कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्कृत व संस्कृति का मूल तत्त्व वेदों में है। वेदों में निहित ज्ञान विज्ञान को आज विश्व के समक्ष लाने की आवश्यकता है। इसी तारतम्य में वैदिक ज्ञान परम्परा को भारतीय संस्कृति का आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि वेदों का यह देश हमारा, सुंदर स्वर्ग समान है, इसकी नदियों में अमृत है, कण-कण में भगवान है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे प्रतिष्ठान, उज्जैन के पूर्व सचिव प्रो. श्री किशोर मिश्र ने कहा कि वैदिक साहित्य में मानव जीवन की आदर्श जीवन पद्धति का वर्णन है, उसको जीवन में आत्मसात कर हम जीवन को सुखमय व चिरायु बना सकते हैं। सारस्वत अतिथि के रूप में पधारे सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल ने कहा कि वेद मन्त्र ध्वनि रूप हैं। इनके उच्चारण में स्वर का अधिक महत्त्व है। उद्घाटन सत्र में हरिद्वार से श्रीविद्या तत्त्वानुसन्धान संस्थान के संस्थापक स्वामी महेश चैतन्य ब्रह्मचारी जी महाराज ने कहा कि वेद मानव जीवन की आचार संहिता है, इन्हें प्रत्येक मानव को आत्मसात करना चाहिए, तभी विश्व का कल्याण होगा। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो. विरूपाक्ष वि जड्डीपाल्, सचिव, मसारावेविप्र, उज्जैन द्वारा की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से राष्ट्र की रक्षा के लिए सीमा पर जवान तैनात हैं, उसी प्रकार से राष्ट्र की रक्षा के लिए वैदिक विद्वान देश के कोने-कोने में अपनी सेवा देकर राष्ट्र की रक्षा कर रहे हैं। उद्घाटन सत्र में डॉ. दुर्गेश पाण्डेय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया तथा सञ्चालन डॉ. प्राङ्गेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया।









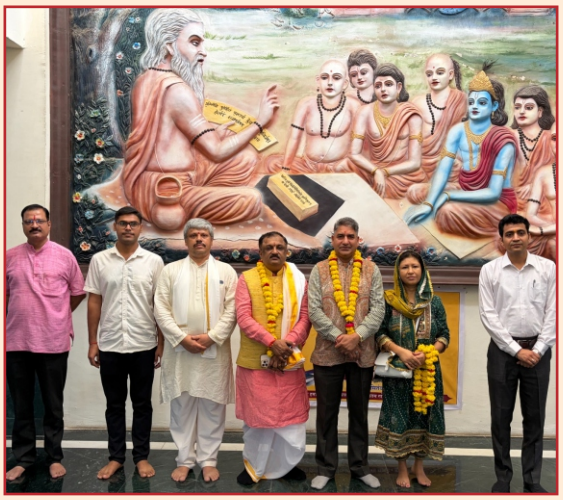


दिनाङ्क 14 सितम्बर 2026 को सम्मेलन के द्वितीय दिन में प्रातः काल सर्वप्रथम चतुर्वेद पारायण किया गया। तदुपरान्त, द्वितीय व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रो. महेन्द्र पाण्डेय, प्रो. सुनील कात्यायन, डॉ. मधुसूदन मिश्र, डॉ. विजय शर्मा आदि ने अपने विचार रखे। मध्याह्न भोजन के उपरान्त तृतीय व्याख्यान सत्र आयोजित हुआ जिसके अध्यक्ष डॉ. दिव्यचेतन ब्रह्मचारी; मुख्य अतिथि प्रो. हनुमान मिश्र; विशिष्ट अतिथि प्रो. अरुण मिश्र तथा सारस्वत अतिथि श्री वेङ्कट रमण घनपाठी रहे। श्री मार्कण्डेय ओझा, अपर आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर, पटना, बिहार व संस्कार भारती के प्रान्त अध्यक्ष ने भी अपने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्राङ्गेश मिश्र व सञ्चालन डॉ.अभिषेक पाण्डेय ने किया।

दिनाङ्क 15 सितम्बर 2026 को तृतीय दिवस के प्रातः काल में चतुर्वेद पारायण सम्पन्न होने के उपरान्त सम्पूर्ति सत्र का आयोजन किया गया जिसमें अध्यक्ष के रूप में प्रो.हृदयरञ्जन शर्मा, माननीय उपाध्यक्ष, मसारावेविप्र, उज्जैन; मुख्य अतिथि प्रो. उपेन्द्र त्रिपाठी; विशिष्ट अतिथि के रूप में कथावाचिका भक्ति किरण शास्त्री ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में व्याख्यान उपरान्त डॉ. रङ्गनाथ त्रिपाठी एवं डॉ. सर्वेश रमण तिवारी ने सभी प्रतिभागी वेदमूर्ति विद्वानों अतिथियों को प्रमाणपत्र, अङ्गवस्त्र तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. अम्बरीश मिश्र ने किया। इस अवसर पर माँ विन्ध्यवासिनी मन्दिर के प्राङ्गण में सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें सारस्वत अतिथि के रूप में श्रीमती विभा सिंह, उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश सङ्गीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं अन्य मूर्धन्य कलाकार उपस्थित रहे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

सस्वर वेद की मौखिक परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिष्ठान के प्रयासों से परिचित हुए विशिष्ट अतिथि





महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन में 19 सितम्बर 2026 को प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं प्रतिष्ठान की महासभा एवं शासी परिषद के सम्मानित सदस्य तथा श्री दीपक कुमार गैरोला, सचिव, संस्कृत शिक्षा, जनगणना एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग, उत्तराखण्ड सरकार का आधिकारिक आगमन हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने श्री दीपक कुमार गैरोला तथा प्रो. श्रीनिवास वरखेडी का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठान के लिए यह गौरव का अवसर है कि उत्तराखण्ड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति तथा प्रतिष्ठान की महासभा एवं शासी परिषद के सम्मानित सदस्य प्रतिष्ठान के इस विशेष कार्यक्रम में उपस्थित हुए हैं। उन्होंने अतिथियों को प्रतिष्ठान द्वारा वेदों के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के लिए सञ्चालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी।

समागत अतिथियों के सम्मान में प्रतिष्ठान परिसर, उज्जैन में 19 सितम्बर 2026 को प्रातः 10:00 बजे से मध्याह्न 12:00 बजे तक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समागत अतिथियों सहित प्रतिष्ठान सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, प्रतिष्ठान के अधिकारी, कर्मचारी एवं राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के विद्यार्थी एवं अध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य विषय देशभर में वेद-संस्कृत का प्रचार-प्रसार, उत्तराखण्ड में वेद एवं संस्कृत के संरक्षण, संवर्धन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की स्थापना रहा।

उत्तराखण्ड में वेद एवं संस्कृत के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धः
उत्तराखण्ड सरकार के संस्कृत शिक्षा सचिव श्री दीपक कुमार गैरोला

इस अवसर पर श्री दीपक कुमार गैरोला ने कहा कि उत्तराखण्ड में वेद एवं संस्कृत के लिए उत्तराखण्ड सरकार प्रतिबद्ध है।उन्होंने संस्कृत एवं वेदों के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड को देवभूमि के रूप में विशेष पहचान प्राप्त है और इसकी आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परम्परा में संस्कृत तथा वेदों का अत्यन्त महत्त्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा संस्कृत एवं वेदों के प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्कृत को उत्तराखण्ड सरकार की द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्राप्त है, एक संस्कृत विश्वविद्यालय योग नगरी हरिद्वार में संस्थापित है, अनेक संस्कृत महाविद्यालय, विद्यालय हैं तथा राज्य में संस्कृत के अध्ययन-अध्यापन एवं प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न स्तरों पर निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं।

श्री गैरोला ने कहा कि उत्तराखण्ड में वेदों की समृद्ध परम्परा को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय योजना महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने उत्तराखण्ड में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की स्थापना के लिए भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। श्री गैरोला ने महत्त्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि उत्तराखण्ड सरकार ने बदरीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति (BKTC) के परामर्श एवं सहमति से उत्तराखण्ड राज्य में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के अन्तर्गत राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की स्थापना के लिए स्थल चयन हेतु तीन भू-खण्ड उपलब्ध कराने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि इन सम्भावित स्थलों के परीक्षण एवं चयन की प्रक्रिया के माध्यम से उत्तराखण्ड में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की स्थापना की दिशा में आगे बढ़ा जा सकेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस पहल से उत्तराखण्ड में वेदाध्ययन को संस्थागत आधार मिलेगा तथा वेद की विभिन्न शाखाओं के अध्ययन-अध्यापन को प्रोत्साहन प्राप्त होगा।

श्री गैरोला ने विशेष आग्रह किया कि उत्तराखण्ड के चारों धाम-बदरीनाथ, केदारनाथ, गङ्गोत्री एवं यमुनोत्री-से जुड़े क्षेत्रों में वेद एवं संस्कृत के प्रचार-प्रसार की सम्भावनाओं पर भी महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा कार्य किया जाए तथा सभी शाखाओं के वेद आचार्यों द्वारा वेदों की शिक्षा प्रारम्भ की जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की देवभूमि की विशिष्ट पहचान को देखते हुए वेद की सभी शाखाओं के अध्ययन, अध्यापन एवं संरक्षण के लिए व्यापक प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा संस्कृत एवं वेदों के प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे।

वेदों का संरक्षण शास्त्र-परम्परा के संरक्षण का मूल आधार :
प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

इस अवसर पर प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं प्रतिष्ठान की महासभा एवं शासी परिषद के सम्मानित सदस्य ने वेदों के संरक्षण के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय शास्त्र-परम्परा के व्यापक अध्ययन एवं संरक्षण का मूल आधार वेद हैं। वेदों की मौखिक परम्परा, पाठ-पद्धति तथा विभिन्न शाखाओं का संरक्षण भारतीय ज्ञान-परम्परा की निरन्तरता के लिए अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान द्वारा वेदों के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और कहा कि शास्त्रों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सर्वप्रथम वेदों की मूल परम्परा को सुरक्षित रखना आवश्यक है।

प्रो. श्रीनिवास वरखेडी ने श्री दीपक कुमार गैरोला द्वारा देवभूमि उत्तराखण्ड में संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में संस्कृत की ज्ञान-ज्योति को समाज के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुँचाने के लिए किए जा रहे प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं और इनके माध्यम से देवभूमि की संस्कृत एवं वेद परम्परा को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है।

देशभर में वेद-संरक्षण के लिए प्रतिष्ठान निरन्तर कार्यरत :
प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, सचिव, मसारावेविप्र

प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने कहा कि महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान का मूल उद्देश्य वेदाध्ययन की जीवन्त परम्परा को सुदृढ़ करना, वेद की विभिन्न शाखाओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना तथा वेदविद्या को भावी पीढ़ियों तक सुरक्षित रूप से पहुँचाना है। राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों की स्थापना इसी व्यापक उद्देश्य की महत्त्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की स्थापना देवभूमि की वेद-परम्परा को संस्थागत रूप से सुदृढ़ करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा किए जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा देशभर के वेद अनुरागियों, विद्वानों, आचार्यों, शिक्षण संस्थानों एवं समाज से वेदों के संरक्षण के इस राष्ट्रीय प्रयास में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वेदों का संरक्षण केवल किसी एक संस्था का दायित्व नहीं है,

परन्तु यह समाज के सभी वर्गों, विद्वानों, शिक्षण संस्थानों और सरकारों के समन्वित प्रयास से ही व्यापक रूप प्राप्त कर सकता है। वेद का संरक्षण देश का संरक्षण हैं।

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के वेद विद्यार्थियों द्वारा आठ शाखाओं का मन्त्र पाठ किया गया तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के ऋग्वेद अध्यापक श्री सत्यम शुक्ल ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक वातावरण में सम्पन्न हुआ।









प्रतिष्ठान की महासभा, शासी परिषद एवं वित्त समिति में नव मनोनीत सदस्य

शिक्षा मन्त्रालय की अधिसूचना संख्या 3-1/2026-सं., दिनाङ्क 08 जुलाई 2026 के माध्यम से महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के आगामी पञ्च वर्षों के लिए महासभा, शासी परिषद एवं समितियों के पुनर्गठन के अन्तर्गत विभिन्न सदस्यों का नव मनोनयन किया गया है।

(I) डॉ. दीप्ति गौड़ मुखर्जी, भा.प्र.से., सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार;

(ii) श्री वेङ्कटरमण घनपाठी (कृष्ण यजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा घनपाठी), पूर्व न्यासी, श्री काशी विश्वनाथ ट्रस्ट, वाराणसी, उत्तरप्रदेश;

(iii) पं. वैकुण्ठनाथ शर्मा, वेद अध्यापक, शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा, आचार्य रमेशचन्द्र गुरुजी वेदपाठशाला, कर्णवास, बुलन्द शहर, उत्तरप्रदेश;

(iv) पं. उदय तम्मय्य वैद्य, ऋग्वेद घनपाठी, श्री राजराजेश्वरी वेद पाठशाला, स्वर्णवल्ली मठ, उत्तर कन्नड़, कर्नाटक;

(v) डॉ. महाबलेश्वर भट्ट, प्राचार्य, वेद विज्ञान गुरुकुलम्, जनसेवा ट्रस्ट, बेङ्गलुरु, कर्नाटक;

(vi) प्रो. राममूर्ति चतुर्वेदी, पूर्व प्राध्यापक, काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तरप्रदेश;

(vii) प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा, आचार्य, शुक्ल यजुर्वेद माध्यान्दिन शाखा (परम्परागत घनपाठी), श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली;

(viii) प्रो. एस. वेणुगोपालन्, प्राध्यापक, संस्कृत एवं परम्परागत वेदपाठी, सास्त्र विश्वविद्यालय, तञ्जावुर, तमिलनाडु;

(ix) प्रो. दिवाकर महापात्र, पूर्व आचार्य, वेद विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, ओडिशा;

इसी क्रम में प्रतिष्ठान की शासी परिषद से वित्त समिति में (i) श्री वेङ्कटरमण घनपाठी, (कृष्ण यजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा घनपाठी), पूर्व न्यासी, श्री काशी विश्वनाथ ट्रस्ट, वाराणसी, उत्तरप्रदेश एवं (ii) डॉ. महाबलेश्वर भट्ट, प्राचार्य, वेद विज्ञान गुरुकुलम्, जनसेवा ट्रस्ट, बेङ्गलुरु, कर्नाटक को नव नामित सदस्य बनाया गया है।

प्रतिष्ठान में नवनियुक्त अधिकारी

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की स्थापना 10 अगस्त 1987 को दिल्ली में हुई थी। स्थापना के उपरान्त सचिव पद सहित 37 पद स्वीकृत किए गए थे किन्तु विविध कारणों से प्रतिष्ठान में कार्यरत नियमित नियुक्त कार्मिकों की सङ्ख्या समग्र रूप से 20 से अधिक कभी नहीं रही। वर्ष 2023 तक 36 वर्षों में 20 पाठशालाओं से 137 पाठशालाएं हुईं, 21 गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों से 342 गुरुशिष्य परम्परा इकाइयां हुईं, विद्यार्थी सङ्ख्या 400 से 7000 हुई। 2001 से 2007 के बीच अधिकारीगण संवर्ग आश्रित संरचना (Officer Cadre Based Structure) बनाने हेतु प्रयत्न किए गए किन्तु सफलता नहीं मिली। 2011 से 2013 के बीच तीन नवीन पद भरे गए। 2017 तक, पूर्व में स्वीकृत किन्तु खाली पड़े पद लगभग समाप्त हो चुके थे। देश भर में प्रतिष्ठान की विविध गतिविधियों, वेदों के कार्यक्रमों को सञ्चालित करने, वेद के संरक्षण, वेद संवर्धन कार्यक्रमों को शीघ्रता से सञ्चालित करने एवं निरीक्षण पूर्वक समुचित दिशा प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठान में कार्य करने हेतु विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों की आवश्यकता को देखते हुए भारत सरकार के माननीय शिक्षा मन्त्री जी एवं प्रतिष्ठान के तत्कालीन माननीय अध्यक्ष महोदय श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के कर्तृत्वशक्ति से वर्ष 2022 में वित्त मन्त्रालय द्वारा 14 नवीन पदों को सृजन किया गया एवं समाप्त हुए 04 पदों को उज्जीवित किया गया।

इसी अनुक्रम में विज्ञापन संख्या 1715, दिनाङ्क 22.07.2025 के अनुसरण में गठित चयन समिति की अनुशंसाओं तथा सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के परिणामस्वरूप डॉ. राजीवरञ्जन देवेन्द्रनाथ मिश्र को दिनाङ्क 17.07.2026 से प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्यक्रम अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया। श्री राजीव रञ्जन देवेन्द्रनाथ मिश्र द्वारा दिनाङ्क 17.07.2026 को कर्तव्य हेतु उपस्थिति दर्ज कराई तथा उक्त पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया गया। भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त नियुक्ति नियमावली अनुसार विभिन्न पदों के लिए नियुक्ति की गई। इसके परिणाम स्वरूप प्रतिष्ठान में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचरियों की कुल सङ्ख्या 33 है (30-09-2026 की यथातिथि)। अभी भी 3 पदों पर नियुक्ति प्रक्रियाधीन है।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 की वेदभूषण एवं वेदविभूषण की पूरक परीक्षाओं के परिणामों का प्रकाशन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड, उज्जैन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 की वेदभूषण पञ्चम वर्ष (कक्षा-10वीं) एवं वेदविभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा-12वीं) की पूरक परीक्षाएँ दिनाङ्क 22-06-2026 से 24-06-2026 तक राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश में आयोजित की गई थीं। इसी प्रकार, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए वेदभूषण प्रथम वर्ष (कक्षा-6ठी) से चतुर्थ वर्ष (कक्षा-9वीं) तथा वेद विभूषण प्रथम वर्ष (कक्षा-11वीं) की पूरक परीक्षाएँ दिनाङ्क 22 से 24 जून, 2026 तक देश भर में निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गई थीं। इन दोनों परीक्षाओं के परिणाम दिनाङ्क 20 जुलाई, 2026 को बोर्ड एवं प्रतिष्ठान की वेबसाइट पर प्रकाशित किए गए।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 की वेद सम्बन्धी कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रमों (एनएसक्यूएफ स्तर 2.5 एवं 3.0) के परीक्षा परिणामों का प्रकाशन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए वेद सम्बन्धी कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रमों (एनएसक्यूएफ-स्तर 2.5 एवं 3.0) के अन्तर्गत 11 पाठ्यक्रमों की लिखित परीक्षाएँ दिनाङ्क 27 फरवरी, 2026 को आयोजित की गई थीं। इन पाठ्यक्रमों की प्रायोगिक, मौखिक एवं परियोजना कार्य सम्बन्धी परीक्षाएँ दिनाङ्क 21 से 25 मार्च, 2026 तक आयोजित की गई थीं। उक्त परीक्षाओं के परिणाम दिनाङ्क 22 जुलाई, 2026 को प्रतिष्ठान की वेबसाइट पर जारी किए गए। इन 11 कौशल

विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रमों में पुरोहित, वास्तुशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र, वैदिक गणित, वैदिक संस्कार, मन्दिर प्रबन्धन, वेदशास्त्र प्रवचन, स्मार्त यज्ञ, श्रौत यज्ञ, योग प्रशिक्षण तथा आयुर्वेद एवं वनौषधि से सम्बन्धित पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं। एनएसक्यूएफ स्तर 2.5 के अन्तर्गत इन पाठ्यक्रमों को "कनिष्ठ सहायक" तथा स्तर 3.0 के अन्तर्गत "सहायक" के रूप में अभिहित किया गया है।

विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा सङ्कल्प अभियान

माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिनाङ्क 02 अगस्त, 2026 को प्रातः 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'नशा मुक्त युवा- विकसित भारत सङ्कल्प अभियान' का शुभारम्भ किया गया । इस पहल का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के दूत बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के अध्यापकों एवं वेद विद्यार्थियों ने उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रतिष्ठान परिसर स्थित ऐतरेय भवन सभागार में देखा तथा माननीय प्रधानमन्त्री जी के वक्तव्य को ध्यानपूर्वक सुना। प्रतिष्ठान परिसर में 'नशा मुक्त भारत' शपथ कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। प्रतिभागियों ने नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक रहने, स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति के सन्देश का प्रसार करने का सङ्कल्प लिया। इस अवसर पर स्वस्थ, संस्कारयुक्त एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर बल दिया गया तथा विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।





प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित 'सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ' का सप्तम वार्षिकोत्सव समारोह

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा सञ्चालित 'सभी के लिए वैदिक कक्षाओं' का सप्तम वार्षिकोत्सव समारोह श्रावण कृष्ण पक्ष अष्टमी के पावन अवसर पर दिनाङ्क 06.08.2026 को उज्जैन विकास प्राधिकरण भवन, भरतपुरी, उज्जैन में स्थित प्रतिष्ठान के पूर्व परिसर में आयोजित किया गया। समारोह का शुभारम्भ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के वटुकों द्वारा वैदिक मङ्गलाचरण से हुआ। तत्पश्चात् दीप प्रज्वलन एवं मञ्चासीन विद्वानों का पारम्परिक रीति से स्वागत किया गया।



प्रतिष्ठान के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजीवरञ्जन देवेन्द्रनाथ मिश्र ने इस प्रकल्प के उद्देश्यों एवं विगत सप्त वर्षों की उपलब्धियों से सभी को अवगत कराया। सारस्वत अतिथि एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित विद्वान प्रो. केदारनारायण जोशी ने वेदों को भारतीय सभ्यता एवं सनातन ज्ञान-परम्परा का आधार बताते हुए वेदाध्ययनरत वटुकों से सारस्वत साधना में सङ्लग्न रहकर राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना के संवाहक बनने का आह्वान किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने वैदिक संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन को भारतीय संस्कृति के समग्र उत्कर्ष के लिए आवश्यक बताते हुए 'विकसित भारत @2047' के राष्ट्रीय सङ्कल्प के अनुरूप कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने 'सभी के लिए वैदिक कक्षाओं' को वैदिक ज्ञान के लोकव्यापीकरण तथा नई एवं पुरानी पीढ़ियों को सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बताया। इस अवसर पर इस प्रकल्प से जुड़े शिक्षार्थियों एवं श्रोताओं ने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर 'वेद-वार्ता' के अप्रैल-जून, 2026 अङ्क का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का सञ्चालन प्रतिष्ठान के सहायक निदेशक डॉ. अनूप कुमार मिश्र ने किया। समारोह में प्रतिष्ठान के अधिकारी एवं कर्मचारी, विद्वान, वेदाचार्य, वेद विद्यार्थी एवं उज्जैन के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन एवं शान्ति पाठ के साथ समारोह का समापन हुआ।





शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रथम त्रैमासिक परीक्षा का आयोजन

यह प्रायः देखने में आता है कि विद्यार्थी कुछ समय का अवकाश लेकर अपने गृह स्थान पर जाने के पश्चात् पुनः अध्ययन हेतु वेद पाठशाला अथवा गुरु शिष्य परम्परा इकाई में उपस्थित होने पर पूर्व में अध्ययन की गई विषयवस्तु विस्मृत कर देते हैं। फलस्वरूप उनकी शैक्षणिक प्रगति एवं परीक्षा परिणाम प्रतिकूल रूप से प्रभावित होते हैं तथा यह स्थिति परीक्षाओं में उनकी अनुपस्थिति का कारण भी बनती है। उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में अभिवृद्धि, अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने एवं विद्यार्थियों के सतत शैक्षणिक मूल्याङ्कन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रथम त्रैमासिक परीक्षाएँ निर्धारित कार्यक्रमानुसार आयोजित की गईं। प्रथम त्रैमासिक परीक्षा का आयोजन प्रतिष्ठान से सम्बद्ध अनुदानित वेद पाठशालाओं एवं गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों के लिए किया गया।

सस्वर वेद मौखिक परीक्षा दिनाङ्क 12 से 18 अगस्त, 2026 पर्यन्त आयोजित की गई। देशभर से वेद परीक्षकों के पैनल द्वारा प्रतिष्ठान के माध्यम से विद्यार्थियों को निर्धारित समय पर ऑनलाइन माध्यम से जोड़ा गया तथा सम्बन्धित वेद पाठशाला/गुरु-शिष्य परम्परा इकाई के नोडल व्यक्ति द्वारा परीक्षा के सुचारु सञ्चालन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इसी प्रकार सहगामी आधुनिक विषयों की लिखित परीक्षा दिनाङ्क 18 से 22 अगस्त, 2026 तक आयोजित की गई। सहगामी आधुनिक विषयों की लिखित परीक्षा के लिए सम्बन्धित सहगामी विषय के प्रश्नपत्र सह उत्तरपुस्तिका को परीक्षा के निर्धारित दिन अपराह्न 11:00 बजे प्रतिष्ठान की वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध कराया गया। उल्लेखनीय है कि प्रथम त्रैमासिक परीक्षा का आयोजन वेदभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा-7वीं) से वेदविभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा-12वीं) तक के वेद विद्यार्थियों के लिए किया गया था।

हर घर तिरङ्गा अभियान, 2026 में प्रतिष्ठान की सहभागिता एवं स्वतन्त्रता दिवस, 2026

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन ने 'हर घर तिरङ्गा अभियान–2026' में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति की भावना को समर्पित इस अभियान में प्रतिष्ठान की सक्रिय भागीदारी के लिए भारत सरकार के संस्कृति मन्त्रालय द्वारा प्रतिष्ठान को प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान प्रतिष्ठान द्वारा 'हर घर तिरंगा–2026' अभियान में सफलतापूर्वक सहभागिता करने तथा राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं 'वन्दे मातरम्' की भावना को समर्पित प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। यह उपलब्धि प्रतिष्ठान परिवार के लिए गौरव एवं प्रेरणा का विषय है।





इसी अनुक्रम में हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ प्रतिष्ठान में 15 अगस्त 2026 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ समवेत स्वर में राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' से किया गया। तदुपरान्त प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, सचिव, मसारावेविप्र, उज्जैन द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा राष्ट्रगान जन गण मन का समवेत स्वर में गान किया गया।



तत्पश्चात वेद विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, कविताएँ, भाषण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वेद विद्यार्थियों ने स्वतन्त्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए देश की एकता, अखण्डता और प्रगति के लिए अपने कर्तव्यों का पालन करने का सङ्कल्प लिया। प्रतिष्ठान के सचिव महोदय ने अपने सम्बोधन में स्वतन्त्रता के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए वेद विद्यार्थियों को देश के प्रति कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सचिव महोदय ने तिरङ्गे में अन्तर्विष्ट अशोक चक्र के महत्त्व को रेखाङ्कित किया। इस अवसर पर सचिव महोदय ने वेदों में निहित मूल्यों को संविधान में निहित मूल्यों से जोड़ते हुए कहा कि भारतीय संविधान में वर्णित न्याय, स्वतन्त्रता, समानता, बन्धुता तथा मानव गरिमा जैसे मूल्य भारतीय ज्ञान एवं सांस्कृतिक परम्परा में विद्यमान है।



समग्र प्रतिष्ठान परिसर 'भारत माता की जय' और 'वन्दे मातरम्' के नारों से गूँज उठा। इस प्रकार स्वतन्त्रता दिवस, 2026 समारोह उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति की भावना के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठान के अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के अध्यापक एवं छात्रगण उपस्थित रहे।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान का 40 वाँ स्थापना दिवस समारोह-2026

दिनाङ्क 26 से 28 अगस्त, 2026 तक प्रतिष्ठान परिसर में 40वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान परिसर में 22 से 28 अगस्त, 2026 तक ऋग्वेद शाकल शाखा पारायण, 23 से 28 अगस्त, 2026 तक कृष्ण यजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा पारायण, 24-28 अगस्त, 2026 तक अन्य वेद शाखाओं का पारायण एवं दिनाङ्क 26 से 28 अगस्त, 2026 तक विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

















दिनाङ्क 26 अगस्त 2026 को प्रातः 10.30 से 12 बजे तक उद्घाटन सत्र (प्रथम सत्र) में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. केदार नारायण जोशी (भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रख्यात संस्कृत विद्वान पुरस्कार से सम्मानित तथा पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन), सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. शिवशङ्कर मिश्र (कुलगुरु, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन), विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा (विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग एवं कुलानुशासक, सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन), सम्मानित अतिथि के रूप में श्री श्रेयांश मोहन, भा.रा.से. (उप सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार) रहे तथा प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् (सचिव, मसारावेविप्र) ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।







दिनाङ्क 26 अगस्त 2026 को अपराह्न 2:30 से 4:30 बजे तक द्वितीय सत्र में प्रतिष्ठान से सम्बद्ध वेद पाठशालाओं एवं गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों के प्रतिभागियों हेतु चतुर्वेद मन्त्रान्त्याक्षरी स्पर्धा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय (पूर्व कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं अखिल भारतीय अध्यक्ष, संस्कृतभारती, नई दिल्ली) तथा सम्मानित अतिथि के रूप में श्री बृजलाल गुप्ता (मण्डल प्रमुख, पञ्जाब नेशनल बैङ्क मण्डल कार्यालय, उज्जैन) उपस्थित रहे।





दिनाङ्क 27 अगस्त 2026 को प्रातः उपाकर्म कार्य के उपरान्त 10:30 पूर्वाह्न से मध्याह्न 12:30 बजे तक तृतीय सत्र में वैदिक प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में मुख्य अतिथि के रूप में श्री पी. देवराज, भा.रा.से. (आयुक्त, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर, उज्जैन) तथा सम्मानित अतिथि के रूप में श्री अमित वर्मा (सहायक महाप्रबन्धक, केनरा बैङ्क क्षेत्रीय कार्यालय, उज्जैन) उपस्थित रहे।





दिनाङ्क 27 अगस्त 2026 को अपराह्न 3:00 से 5:30 तक चतुर्थ सत्र में चतुर्वेद शलाका स्पर्धा में मुख्य अतिथि के रूप में श्री विभाष उपाध्याय (अध्यक्ष, श्रीअरविन्द सोसायटी पुदुच्चेरी, उज्जैन शाखा), सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. अर्पण भारद्वाज (कुलगुरु, सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन) एवं सम्मानित अतिथि के रूप में श्री विनय उपाध्याय (प्रबन्धक, इण्डियन ओवरसीज़ बैङ्क, भरतपुरी शाखा, उज्जैन) उपस्थित रहे। पञ्चम सत्र में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया।

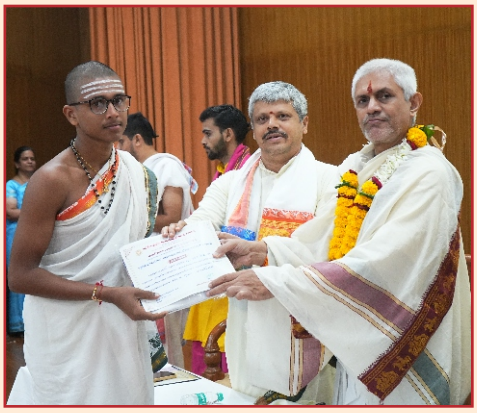




पुरस्कार वितरण एवं सम्पूर्ति सत्र दिनाङ्क 28.08.2026 को प्रातः 10:30 बजे आयोजित किया गया। सत्र का प्रारम्भ राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' के समवेत स्वर में गान तथा तत्पश्चात् वैदिक मङ्गलाचरण से हुआ। इस सत्र में प्रतिष्ठान की महासभा के सम्मानित सदस्य प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा, वेद विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली मुख्य अतिथि रहे। पुणे से पधारे वेदमूर्ति घनपाठी श्री स्वानन्द धायगुडे तथा प्रतिष्ठान की महासभा के सम्मानित सदस्य श्री उदय वैद्य घनपाठी, ऋग्वेद शाकल शाखा वेदाध्यापक, राजराजेश्वरी गुरुकुलम्, कर्नाटक, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्पूर्ति सत्र में प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने अध्यक्षता की। प्रतिष्ठान के 40वें स्थापना दिवस के अवसर पर 26 अगस्त 2026 को चतुर्वेद मन्त्र अन्त्याक्षरी स्पर्धा तथा 27 अगस्त 2026 को प्रातः वैदिक प्रश्नोत्तरी स्पर्धा, अपराह्न में चतुर्वेद शलाका स्पर्धा एवं संस्कृत सुलेख स्पर्धा आयोजित की गईं। इन सभी स्पर्धाओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सान्त्वना स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को स्थानानुसार निर्धारित धनराशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। साथ ही, समस्त प्रतिभागियों के साथ पधारे उनके अभिभावकों, गुरुजनों एवं अध्यापकों का भी स्वागत (महिलाओं हेतु शॉल तथा पुरुषों हेतु धोती) किया गया। इसी प्रकार, प्रतिष्ठान से सम्बद्ध वेद पाठशालाओं एवं गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों के समागत सभी प्रतिभागी वेद विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु प्रत्येक को एक-एक धोती वितरित की गई।

सम्पूर्ति सत्र में मञ्च सञ्चालन श्री देवाशीष तिवारी (कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक) ने किया तथा सत्र के अन्त में डॉ. अनूप कुमार मिश्र (सहायक निदेशक) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथियों तथा उपस्थित सभी जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। शान्ति पाठ एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।





महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन में संस्कृत सप्ताह महोत्सव, 2026 का आयोजन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन में दिनाङ्क 25 से 31 अगस्त 2026 तक संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव का शुभारम्भ 25 अगस्त को वैदिक मङ्गलाचरण एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में श्री श्री 108 श्री युवराज स्वामी जी डॉ. माधवप्रपन्नाचार्य जी महाराज, रामानुज कोट, उज्जैन मुख्य अतिथि तथा डॉ. गोविन्द गन्धे, निदेशक, कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सत्र की अध्यक्षता प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् द्वारा की गई।







महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के वेद विद्यार्थियों के लिए 25 अगस्त को शब्दरूप/धातुरूप पाठ स्पर्धा, 26 अगस्त को अमरकोश पाठ स्पर्धा, 27 अगस्त को भगवद्गीता कण्ठपाठ स्पर्धा व लघुसिद्धान्त कौमुदी कण्ठस्थीकरण स्पर्धा, 28 अगस्त को स्तोत्र पाठ स्पर्धा, 29 अगस्त को रामायण कण्ठपाठ स्पर्धा एवं रघुवंश कण्ठपाठ स्पर्धा तथा 30 अगस्त को संस्कृत सम्भाषण स्पर्धा एवं संस्कृत गीत-कथा स्पर्धाएँ आयोजित की गईं। इन अवसरों पर क्रमशः 26 अगस्त को मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सदानन्द त्रिपाठी, आचार्य, शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, उज्जैन; 28 अगस्त को मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. अजीता त्रिवेदी, पूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. पूजा उपाध्याय, अध्यक्ष, विशिष्ट संस्कृत विभाग, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन; तथा 29 अगस्त को डॉ. गोविन्द गन्धे, निदेशक, कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन की गरिमामय उपस्थिति रही।







31 अगस्त को सम्पूर्ति सत्र के अवसर पर शिवमहिम्नः स्तोत्र पाठ स्पर्धा आयोजित की गई। सम्पूर्ति सत्र में श्री भरत बैरागी, पूर्व अध्यक्ष, महर्षि पतञ्जलि संस्कृत संस्थान, भोपाल एवं महाविद्यालय विद्यार्थी प्रमुख, संस्कृतभारती, मध्य क्षेत्र मुख्य अतिथि तथा डॉ. जितेन्द्र शर्मा, चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, उज्जैन सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सत्र की अध्यक्षता प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने की। अतिथियों ने संस्कृत को भारतीय ज्ञान, दर्शन, साहित्य एवं संस्कृति की महत्त्वपूर्ण संवाहक भाषा बताते हुए इसके अध्ययन, व्यवहार एवं प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने पर बल दिया। इस अवसर पर विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस प्रकार संस्कृत सप्ताह महोत्सव, 2026 सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

हिन्दी माह-2026 : राजभाषा हिन्दी की अनुगूँज से मुखरित हुआ प्रतिष्ठान

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या फ. सं. 12011/01/2022-रा.भा., दिनाङ्क 06 अगस्त, 2026 के अनुपालन में इस वर्ष प्रतिष्ठान में दिनाङ्क 01 सितम्बर से 30 सितम्बर, 2026 पर्यन्त हिन्दी माह का आयोजन किया गया। हिन्दी माह 2026 के अन्तर्गत राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने तथा अधिकारियों/कर्मचारियों में हिन्दी के प्रति अभिरुचि एवं दक्षता विकसित करने के उद्देश्य से राजभाषा हिन्दी सम्बन्धी विभिन्न प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

दिनाङ्क 11.09.2026 को श्री प्रल्हाद जोशी, माननीय शिक्षा मन्त्री, भारत सरकार एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष, डॉ. टी. वी. सोमनाथन , मन्त्रिमण्डल सचिव, भारत सरकार तथा सुश्री दीप्ति गौड़ मुखर्जी, भा.प्र.से, सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के हिन्दी दिवस विषयक सन्देशों को समस्त कार्मिकों के मध्य परिचालित कर वाचन किया गया। इस अवसर पर सभी कार्मिकों द्वारा राजभाषा प्रतिज्ञा भी ली गई।

हिन्दी माह के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 09.09.2026 को राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, दिनाङ्क 11.09.2026 को टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता-I तथा टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता-II, दिनाङ्क 22.09.2026 को हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता, दिनाङ्क 23.09.2026 को राजभाषा प्रश्नमञ्च प्रतियोगिता, दिनाङ्क 25.09.2026 को हिन्दी कार्यशाला सह सम्मेलन, दिनाङ्क 29.09.2026 को संघ की राजभाषा नीति के बारे में सामूहिक चर्चा / परिचर्चा का आयोजन किया गया। हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ. पूजा उपाध्याय, अध्यक्ष, विशिष्ट संस्कृत विभाग, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन तथा हिन्दी कार्यशाला सह सम्मेलन में वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. वन्दना त्रिपाठी की गरिमामय उपस्थिति रही।

हिन्दी माह, 2026 का समापन कार्यक्रम दिनाङ्क 30 सितम्बर, 2026 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर हिन्दी माह, 2026 के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, सचिव, मसारावेविप्र द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर सचिव महोदय ने राजभाषा हिन्दी के महत्त्व को रेखाङ्कित करते हुए कहा कि हिन्दी केवल हमारे संवाद की भाषा ही नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। उन्होंने हिन्दी के प्रति अभिरुचि एवं दक्षता विकसित करने तथा राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में सभी कार्मिकों की सक्रिय सहभागिता को आवश्यक बताया।










राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी, असम के द्वितीय स्थापना दिवस समारोह का आयोजन



दिनाङ्क 01.09.2026 को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के अन्तर्गत सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी, असम का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह विद्यालय परिसर, दक्षिणगाँव, गुवाहाटी में श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। समारोह के प्रथम सत्र में गणपति पूजन, पुण्याहवाचन, चतुर्वेद पारायण, दुर्गासप्तशती पारायण, दुर्गासूक्त पाठ, दुर्गासूक्त हवन एवं पूर्णाहुति का आयोजन किया गया। द्वितीय सत्र में सामूहिक चतुर्वेद मन्त्रान्त्याक्षरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यालय एवं प्रतिष्ठान से संबद्ध वेद विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। तृतीय सत्र में पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अनिल मित्तल, कार्यपालक अभियन्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, गुवाहाटी रहे। प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। समारोह में अध्यापकगण, वेद विद्यार्थी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। समारोह के माध्यम से वेदाध्ययन तथा वैदिक परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन के सङ्कल्प को सुदृढ़ किया गया।







राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका, गुजरात के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन



दिनाङ्क 05 सितम्बर 2026 को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के अन्तर्गत सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका, गुजरात का चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह विद्यालय परिसर में श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। समारोह का शुभारम्भ गणपति-गौरी पूजन एवं यज्ञ से हुआ। इस अवसर पर भद्रकाली चौक से इस्कॉन गेट तक प्रातः 'वेद सन्देश शोभायात्रा' निकाली गई, जिसमें वेद विद्यार्थियों, अध्यापकगण एवं जनमानस ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। तदुपरान्त चतुर्वेद मन्त्रान्त्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें द्वारका एवं आसपास के क्षेत्रों के प्रतिष्ठान से सम्बद्ध वेद पाठशालाओं एवं गुरु-शिष्य परम्परा इकाइयों के वेद विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता के पश्चात् चतुर्वेद पारायण किया गया। समारोह के समापन सत्र में पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री कुलदीप पुरोहित, प्रधानाचार्य, शङ्कराचार्य अभिनव सच्चिदानन्द तीर्थ संस्कृत महाविद्यालय, द्वारका उपस्थित रहे तथा प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने ऑनलाइन माध्यम से समारोह की अध्यक्षता की। समारोह में विद्यालय एवं प्रतिष्ठान से सम्बद्ध वेद पाठशालाओं के शिक्षकगण, वेद विद्यार्थी तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।





प्रतिष्ठान एवं श्री त्रिवेणी संस्कृत वेद विद्यापीठ, सिलीगुड़ी, पश्चिम बङ्गाल के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन एवं श्री त्रिवेणी संस्कृत वेद विद्यापीठ,सिलीगुड़ी, पश्चिम बङ्गाल के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनाङ्क 18 से 20 सितम्बर तक त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया । सम्मलेन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे वैदिक विद्वानों, आचार्यों, संत-महात्माओं, शिक्षाविदों एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

दिनाङ्क 18 सितम्बर 2026 को सम्मेलन का उद्घाटन मञ्चस्थ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया तथा श्रद्धा पूर्वक वेद पूजन भी किया गया। तत्पश्चात चतुर्वेदों की आठ शाखाओं के वैदिक विद्वानों द्वारा मङ्गलाचरण किया गया। मङ्गलाचरण के उपरान्त 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन किया गया तथा सम्मेलन में पधारे सम्माननीय अतिथियों एवं वैदिक विद्वानों का आत्मीय स्वागत किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री डॉ. एकलव्य शर्मा; विशिष्ट अतिथि के रूप में सन्त श्री सज्जन प्रभुपाद जी महाराज, मार्गदर्शक मण्डल, विश्व हिन्दू परिषद; विशिष्ट विद्वान के रूप में प्रो. रवीन्द्रनाथ भट्टाचार्य, कोलकाता; वेदमूर्ति आचार्य श्री चन्द्रभानु शर्मा, दिल्ली; मेजर जनरल बी. डी. राय तथा प्रतिष्ठान प्रतिनिधि के रूप में डॉ. अनूप कुमार मिश्र, सहायक निदेशक, मसारावेविप्र, उज्जैन उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता श्री टीका प्रसाद शर्मा, अध्यक्ष, श्री त्रिवेणी संस्कृत वेद विद्यापीठ, सिलीगुड़ी द्वारा की गई।



दिनाङ्क 19 सितम्बर 2026 को द्वितीय दिवस का आरम्भ वेद सन्देश शोभायात्रा से किया गया। शोभायात्रा का मार्ग हिल कार्ट रोड से चम्पासारी मोड़ तक लगभग 3.4 कि.मी. का रहा। शोभायात्रा के पश्चात सम्मेलन स्थल पर व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में विशिष्ट विद्वान प्रो. रवीन्द्रनाथ भट्टाचार्य, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता ने 'वैदिक परम्परा में समृद्ध भारत की परिकल्पना' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। इस सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. दीप कोइराला, अहमदाबाद, गुजरात व श्री ध्रुव गुरागाईं, जयगांव, अलीपुरद्वार एवं कर्नल श्रीकृष्ण गोपाल लिम्बू रहे। इस सत्र की अध्यक्षता श्री भीम कोइराला द्वारा की गई। तदुपरान्त, मध्याह्न 2:30 बजे से 3:45 बजे तक वेद पारायण सत्र में सभी वैदिक विद्वानों एवं वेदपाठी विद्यार्थियों ने निर्धारित स्थान पर स्व स्व वेदशाखा का परम्परा के अनुसार वेद-मन्त्रों का सस्वर पारायण किया। सायंकालीन व्याख्यान सत्र में विशिष्ट विद्वान डॉ. रङ्गनाथ त्रिपाठी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश; विशिष्ट अतिथि डॉ. सिद्धिराज शर्मा; सत्राध्यक्ष वेदमूर्ति श्री चन्द्रभानु शर्मा, दिल्ली रहे। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप मे डॉ. अनूप खरेल उपस्थित रहे। विद्यापीठ के विद्यार्थियों द्वारा खुकुरी नृत्य प्रस्तुत किया गया।





दिनाङ्क 20 सितम्बर 2026 को सम्मेलन के तृतीय दिवस में प्रातः कालीन वेद पारायण सत्र में उपस्थित वैदिक विद्वानों एवं वेदपाठी विद्यार्थियों ने वैदिक परम्परा के अनुसार वेद पारायण किया। वेद पारायण के उपरान्त वैदिक सम्मेलन का सम्पूर्ति सत्र आयोजित किया गया। सम्पूर्ति सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. दीप कोइराला, अहमदाबाद, गुजरात तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री मुरारी प्रसाद सिंह, डीआईजी – बीएसएफ, उत्तर बङ्गाल उपस्थित रहे। सम्पूर्ति सत्र में डॉ.करण जोशी, एमबीबीएस, एमडी



(इन्टर्नल मेडिसन), श्री टीका प्रसाद शर्मा, अध्यक्ष, श्री त्रिवेणी संस्कृत वेद विद्यापीठ सिलीगुड़ी उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान प्रतिनिधि के रूप में डॉ. अनूप कुमार मिश्र, सहायक निदेशक, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान इस सम्मलेन में उपस्थित रहे।

श्री राजन शर्मा, सचिव, श्री त्रिवेणी संस्कृत वेद विद्यापीठ, सिलीगुड़ी ने सभी अतिथियों, पूज्य गुरुजनों, वैदिक विद्वानों, वेदपाठी विद्यार्थियों, सहयोगियों तथा आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। शान्ति मन्त्र का समवेत स्वर में पाठ के साथ ही त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का सफलतापूर्वक समापन किया गया।



प्रतिष्ठान एवं माँ गायत्री वेद विद्यालय, गमिरि, गधरिया बस्ती, असम के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन एवं माँ गायत्री वेद विद्यालय, गमिरि, गधरिया बस्ती, असम के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनाङ्क 26 से 28 सितम्बर तक त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत में वेदों के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ-साथ गुरुकुल शिक्षा पद्धति के माध्यम से प्राचीन श्रुति परम्परा का संरक्षण एवं संवर्धन करना था।



इस भव्य सम्मेलन में पूर्वोत्तर भारत एवं देश के विभिन्न प्रान्तों से वैदिक विद्वानों के साथ-साथ तीन विशिष्ट विद्वानों (i) प्रो. प्रह्लाद आर. जोशी, कुलपति, कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं पुरातन अध्ययन विश्वविद्यालय; (ii) डॉ. गोकुलेन्द्र नारायण देव गोस्वामी, प्राचार्य, के.के.एस. राजकीय संस्कृत महाविद्यालय तथा (iii) डॉ. केशव पोखरेल, सह प्राध्यापक, सिक्किम शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, सामदुङ्ग ने विशेष रूप से सहभागिता की।



प्रथम दिवस दिनाङ्क 26 सितम्बर को प्रातः 10:00 बजे क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का शुभारम्भ किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता संस्कृत प्रसारिणी सभा के उपाध्यक्ष एवं कार्विल उच्च माध्यमिक विद्यालय के संस्कृत शिक्षक श्री विनोद दबाड़ी द्वारा की गई। उद्घाटन सत्र में उपस्थित विशिष्ट विद्वानों ने पूर्वोत्तर में वैदिक शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में ऋग्वेद (शाकल शाखा), शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन एवं काण्व शाखा), सामवेद (कौथुम शाखा) तथा अथर्ववेद (शौनक शाखा) का सस्वर चतुर्वेद पारायण किया गया। अपराह्न 04:00 बजे आयोजित व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता राका चंद्र संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक श्री तुलसी शरण उपाध्याय द्वारा की गई। इस सत्र में डॉ. केशव पोखरेल, डॉ. गोकुलेन्द्र नारायण देव गोस्वामी एवं श्रीमती गीता देवी ने वेदों के व्यावहारिक एवं आध्यात्मिक पक्ष पर अपने मन्तव्य रखे। सन्ध्याकाल में असम और पूर्वोत्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा भारतीय परम्परा को समर्पित भव्य धार्मिक-सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।



दिनाङ्क 27 सितम्बर 2026 को सम्मेलन के द्वितीय दिवस प्रातः 8:00 बजे वेद विद्यालय से सरस्वती मन्दिर तक भव्य 'वेद सन्देश शोभायात्रा' निकाली गई। इसके पश्चात वैदिक विद्वानों के दल द्वारा तीन प्रमुख तीर्थ क्षेत्रों विश्वनाथ घाट पर स्थित गुप्तकाशी महादेव मन्दिर के समक्ष, बिहाली स्थित पीतांबर पीठ धाम तथा कल्याणी मन्दिर (दीपपुरा) में चतुर्वेद पारायण का आयोजन किया गया।

दिनाङ्क 28 सितम्बर 2026 को सम्मेलन के तृतीय दिवस प्रातः 08:00 से 10:00 बजे तक चतुर्वेद पारायण का आयोजन किया गया जिसके उपरान्त प्रातः 10:00 से अपराह्न 01:00 बजे तक समापन सत्र का सञ्चालन किया गया। समापन सत्र की अध्यक्षता शङ्कर देव शिशु निकेतन के प्रधानाध्यापक एवं संस्कृत प्रचारक श्री नारायण आचार्य द्वारा की गई। समापन सत्र में विद्वानों ने इस बात पर गहन विचार-विमर्श किया कि गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाकर किस प्रकार पूर्वोत्तर भारत में प्राचीन श्रुति परम्परा को दीर्घकाल तक सुरक्षित रखा जा सकता है। इस प्रकार इस त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

विघ्नहर्ता की आराधना से मङ्गलमय हुआ प्रतिष्ठान परिसर



दिनाङ्क 14 सितम्बर 2026 को प्रतिष्ठान परिसर में गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर गणेश पूजन का श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को विराजमान कर विधिवत पूजा-अर्चना से हुआ। कार्यक्रम में प्रतिष्ठान के सचिव महोदय, समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के अध्यापक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। वैदिक मन्त्रोच्चार से प्रतिष्ठान परिसर गुञ्जायमान रहा तथा कार्यक्रम का वातावरण आध्यात्मिक एवं उत्साहपूर्ण रहा। आयोजन के माध्यम से सभी में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति आस्था तथा आपसी सहयोग और सद्भाव की भावना को बढ़ावा मिला। इसी अनुक्रम में दिनाङ्क 25 सितम्बर 2026 को अनन्त चतुर्दशी के पावन अवसर पर गणपति विसर्जन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर विधिवत पूजा-अर्चना एवं वैदिक मन्त्रोच्चार के पश्चात भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को विसर्जन स्थल तक ले जाया गया, जहाँ विधि-विधानपूर्वक भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। प्रतिष्ठान के अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर सभी ने 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष के साथ भगवान श्री गणेश से सर्वकल्याण, सुख, शान्ति एवं समृद्धि की प्रार्थना की।





प्रतिष्ठान के वेद अनुसन्धान केन्द्र द्वारा वेद व्याख्यान माला का आयोजन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) द्वारा वेदों में निहित ज्ञान का प्रचार, प्रसार एवं संवर्धन के लिए वेद शोध केन्द्र की स्थापना की गई। इस केन्द्र के अन्तर्गत प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में वेदों से सम्बन्धित विविध विषयों पर एक ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया जाता है। इस वित्तीय वर्ष (2026-27) अगस्त माह से प्रारम्भ इस प्रकल्प के अन्तर्गत निम्नलिखित वेद व्याख्यानों का ऑनलाइन रूप में आयोजन किया गया :-

1. दिनाङ्क 21 अगस्त 2026 को अपराह्न 4 से 5 बजे पर्यन्त "भारत में ऋग्वेद अध्ययन की परम्परा (The tradition of Rigveda studies in India)" विषय पर प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र, भूतपूर्व आचार्य तथा विभागाध्यक्ष, संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।
2. दिनाङ्क 25 सितम्बर 2026 को अपराह्न 4 से 5 बजे पर्यन्त "आधुनिक दृष्टि से वेदों की उपादेयता (The utility of the Vedas from a modern perspective)" विषय पर प्रो. मनोज कुमार मिश्र, वेद, पौरोहित्य एवं कर्मकाण्ड विभागाध्यक्ष, नासिक परिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान दिया गया।

प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष के रूप में प्रोफेसर हृदयरञ्जन शर्मा पुनः मनोनीत

भाषा प्रभाग, उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के द्वारा दिनाङ्क 25 सितम्बर 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की संस्थापना नियमावली (एमओए) के नियम 18(1) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष एवं माननीय केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री श्री प्रल्हाद जोशी जी ने प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) हृदयरञ्जन शर्मा, पूर्व विभागाध्यक्ष एवं आजीवन विशिष्ट प्रोफेसर, वेद विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी को दिनाङ्क 02 सितम्बर 2026 से प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष के रूप में पुनः मनोनीत किया है। प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) हृदयरंजन शर्मा का कार्यकाल संस्थापना नियमावली के नियम 18 तथा अन्य प्रावधानों के अन्तर्गत निर्धारित सेवा निबन्धनों एवं शर्तों के अधीन प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष एवं माननीय केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री श्री प्रल्हाद जोशी के कार्यकाल के साथ सहकालिक होगा।

वेदविद्या के संरक्षण एवं संवर्धन के सङ्कल्प के साथ महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के अन्तर्गत सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक के द्वितीय स्थापना दिवस समारोह का आयोजन





महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान) के अन्तर्गत कर्नाटक में शृङ्गेरी समीप तीर्थमुक्तापुरि क्षेत्र में सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह दिनाङ्क 22.09.2026 को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह का आयोजन राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक में किया गया। राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक की स्थापना का उद्देश्य वेदाध्ययन की परम्परा को सुदृढ़ करना, युवा पीढ़ी को वेदों की सस्वर मौखिक परम्परा से जोड़ना तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन को गति प्रदान करना है।

द्वितीय स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर प्रातः गणपति पूजन, पुण्याहवाचन, चतुर्वेद पारायण एवं हवन का आयोजन किया गया। इसके पश्चात वेद विद्यार्थियों के लिए वेद एवं संस्कृत आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। उक्त समारोह में चतुर्वेद शलाका स्पर्धा तथा चतुर्वेद मन्त्रान्त्याक्षरी स्पर्धा का आयोजन किया गया। साथ ही, संस्कृत स्पर्धा के अन्तर्गत श्रीमद्भगवद्गीता, स्तोत्र, शब्दरूप एवं अमरकोश से सम्बन्धित प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं।

उक्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. सूर्यनारायण भट्ट, विभागाध्यक्ष, मीमांसा एवं वेदभाष्य विभाग, श्री भारतीतीर्थ शास्त्र समुत्कर्ष केन्द्र, शृङ्गेरी; विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री उदय वैद्य घनपाठी, प्रतिष्ठान की महासभा के सम्मानित सदस्य एवं प्राचार्य, श्री राजराजेश्वरी वेद गुरुकुलम्, स्वर्णवल्ली, शिरसी तथा सारस्वत अतिथि के रूप में संस्कृत विद्वान श्री एम. एन. रमेश, रामकृष्णपुर

की गरिमामय उपस्थिति रही। श्री कृष्णास्वामी एवं श्री रमेश की भी मञ्च पर गरिमामय उपस्थिति रही। समारोह की अध्यक्षता प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा ऑनलाइन माध्यम से की गई। समारोह में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक के समस्त विद्यार्थी एवं अध्यापकगण उपस्थित रहे।



मध्याह्न 2 बजे से चतुर्वेद पारायण का आयोजन किया गया। तदुपरान्त, द्वितीय स्थापना दिवस समारोह के सम्पूर्ति सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वेद विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। समागत अतिथियों ने वेद विद्यार्थियों को वेद, संस्कृत एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के अध्ययन के लिए प्रेरित किया।

वेदविद्या के संरक्षण एवं संवर्धन के सङ्कल्प के साथ महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के अन्तर्गत सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन का नवम स्थापना दिवस समारोह



महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान) के अन्तर्गत सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन का नवम स्थापना दिवस समारोह 26 एवं 27 सितम्बर, 2026 को श्रद्धा, उल्लास एवं वैदिक गरिमा के साथ आयोजित किया गया। वेदविद्या की प्राचीन एवं समृद्ध परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने, युवा पीढ़ी को वेदों की सस्वर मौखिक परम्परा से जोड़ने तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रसार के उद्देश्य से स्थापित इस विद्यालय का स्थापना दिवस वैदिक रीति-परम्परा के अनुरूप विविध धार्मिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों के साथ मनाया गया।

समारोह का शुभारम्भ गणपति पूजन एवं पुण्याहवाचन से हुआ। इसके पश्चात वेद विद्यार्थियों द्वारा चतुर्वेद की 08 शाखाओं का पारायण तथा वैदिक मन्त्रोच्चार के साथ हवन सम्पन्न किया गया। सम्पूर्ण आयोजन में वैदिक परम्परा की गरिमा एवं आध्यात्मिक वातावरण विशेष रूप से परिलक्षित हुआ।

इस अवसर पर महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के अधिकारी एवं कर्मचारी, विद्वज्जन, अध्यापक एवं वेद विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान के सचिव महोदय ने अपने सम्बोधन में वेदविद्या के महत्त्व एवं भारतीय ज्ञान परम्परा में उसके विशिष्ट स्थान पर प्रकाश डालते हुए वेद विद्यार्थियों को वेद, संस्कृत एवं भारतीय ज्ञान-विज्ञान की समृद्ध परम्परा के अध्ययन, संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने वेद विद्यार्थियों को वेदाध्ययन को केवल ज्ञानार्जन का माध्यम न मानकर भारतीय संस्कृति के संरक्षण का दायित्व समझते हुए अपने अध्ययन को निष्ठा एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया। स्थापना दिवस समारोह ने वेद विद्यार्थियों में वेदविद्या के प्रति श्रद्धा, गौरव एवं समर्पण की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया तथा भारतीय ज्ञान परम्परा को भावी पीढ़ियों तक सुरक्षित रूप से पहुँचाने के सङ्कल्प को दृढ़ता प्रदान की।

वेद ज्ञान सप्ताह 2026 : वैदिक ज्ञान परम्परा का सप्ताहव्यापी आयोजन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के प्रायोजन में गुरुचरण विश्वविद्यालय, सिलचर के संस्कृत विभाग द्वारा दिनाङ्क 22 से 29 सितम्बर 2026 तक वेद ज्ञान सप्ताह 2026 का सप्ताहव्यापी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित विद्वानों, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने सहभागिता की तथा वैदिक वाङ्मय, वेदाङ्ग, उपनिषदों के चिन्तन एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के सन्दर्भ में उनकी प्रासंगिकता के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया गया।

वेद ज्ञान सप्ताह 2026 के उद्घाटन समारोह का शुभारम्भ प्रभात फेरी से हुआ, जिसके पश्चात् वैदिक मङ्गलाचरण, दीप प्रज्वलन, स्वागत उद्बोधन तथा वेद ज्ञान सप्ताह 2026 के उद्देश्यों पर परिचयात्मक वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. (डॉ.) शान्ति पोखरेल, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर उपस्थित रहे एवं गुरुचरण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. निरञ्जन रॉय ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। वेद ज्ञान सप्ताह 2026 का समापन दिनाङ्क 29 सितम्बर 2026 को समापन समारोह एवं वैदिक प्रदर्शनी के साथ हुआ।

दिवस एवं दिनाङ्क	वक्ता एवं पद / संस्था	व्याख्यान का विषय	मुख्य बिंदु
प्रथम दिवस, 22 सितम्बर	डॉ. शङ्कर भट्टाचार्य, सेवानिवृत्त प्राचार्या, महिला महाविद्यालय, सिलचर	वैदिक वाङ्मय का परिचय : संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद	वैदिक वाङ्मय का परिचय तथा संहिताओं, उपनिषदों की दार्शनिक दृष्टि तक विभिन्न आयामों की व्याख्या।
द्वितीय दिवस, 23 सितम्बर	प्रो. शान्ति पोखरेल, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, असम विश्वविद्यालय	संहिताएँ : वैदिक मन्त्र, सूक्त एवं उनका महत्त्व	वैदिक मन्त्रों, सूक्तों के ध्वन्यात्मक, लयात्मक एवं आध्यात्मिक पक्षों एवं उनके मौखिक संरक्षण में महत्त्व को रेखाङ्कित किया।
तृतीय दिवस, 24 सितम्बर	डॉ. केशब लुइटेल, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, गुरुचरण विश्वविद्यालय	भारतीय ज्ञान परम्परा में वेदाङ्गों की भूमिका एवं प्रासङ्गिकता	वेद के छह अङ्गों (शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द एवं ज्योतिष) के महत्त्व को रेखाङ्कित किया।
चतुर्थ दिवस, 25 सितम्बर	प्रो. गोबिन्द शर्मा, संस्कृत विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर	ब्राह्मण ग्रन्थ : वैदिक अनुष्ठान, यज्ञ एवं उनका दर्शन	ब्राह्मण ग्रन्थों की अनुष्ठानपरक संरचना, यज्ञ में ऋत्विजों एवं सहायक ऋत्विजों की भूमिका तथा उनका दार्शनिक पक्ष।
पञ्चम दिवस, 26 सितम्बर	प्रो. अमलेन्दु चक्रवर्ती, असम विश्वविद्यालय, सिलचर	वेद और तन्त्र : भारतीय ज्ञान-परम्परा में उनके अन्तर्सम्बन्ध का अध्ययन	वैदिक एवं तान्त्रिक परम्पराओं के वैचारिक अन्तर्सम्बन्धों, विशिष्ट दृष्टिकोणों एवं साझा आध्यात्मिक उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।
षष्ठ दिवस, 27 सितम्बर	प्रो. शान्ति पोखरेल, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, असम विश्वविद्यालय	ब्राह्मण एवं उपनिषद् साहित्य : स्वरूप, संरचना एवं महत्त्व	शतपथ ब्राह्मण में वर्णित प्रमुख आख्यानों के माध्यम से यज्ञीय अनुष्ठानों के नैतिक एवं ब्रह्माण्डीय आयामों को स्पष्ट किया तथा प्रमुख उपनिषदों में निहित अद्वैतवादी चिन्तन को सहज एवं स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया।
सप्तम दिवस, 29 सितम्बर	प्रो. गोबिन्द शर्मा, संस्कृत विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर	तैत्तिरीय उपनिषद् के सन्दर्भ में पञ्चकोशों की अवधारणा एवं दार्शनिक महत्त्व	अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय एवं आनन्दमय पञ्च कोशों की तैत्तिरीय उपनिषद् अनुसार व्याख्या तथा मानव चेतना एवं आत्म-साक्षात्कार में उनके महत्त्व पर प्रकाश डाला।







प्रतिष्ठान में स्वच्छता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन



प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (DARPG) द्वारा आयोजित विशेष अभियान के अन्तर्गत प्रतिष्ठान में दिनाङ्क 30 सितम्बर 2026 को स्वच्छता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सचिव महोदय ने स्वच्छता के महत्त्व को रेखांकित करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ कार्य वातावरण बनाए रखने के लिए सभी को प्रेरित किया। उनके नेतृत्व में प्रतिष्ठान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं प्रतिबद्धता की शपथ ली। इस अवसर पर प्रतिष्ठान परिसर को स्वच्छ रखने, स्वच्छता को दैनन्दिन कार्यसंस्कृति का अङ्ग बनाने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का सङ्कल्प लिया गया। उल्लेखनीय है कि यह विशेष अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता को बढ़ावा देना एवं लम्बित मामलों को कम करना है।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों का गतिविधि वृत्तान्त

क. राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन (मध्यप्रदेश)



प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन (मध्यप्रदेश) में विभिन्न वैदिक, शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों में अध्ययन हेतु नवीन विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए दिनाङ्क 04.07.2026 को प्रयागराज तथा दिनाङ्क 05.07.2026 को वाराणसी में प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 29.07.2026 को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रतिष्ठान परिसर में स्थापित महर्षि वेदव्यास की प्रतिमा का षोडशोपचार विधि से पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर वेदों की उपलब्ध शाखाओं का पारम्परिक विधि से पारायण सम्पन्न हुआ तथा प्रतिष्ठान के सचिव महोदय ने भी पूजन-अर्चन में सहभागिता की। दिनाङ्क 02.08.2026 को 'नशा मुक्त युवा अभियान' के अन्तर्गत

माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्बोधन का श्रवण किया गया तथा नशा मुक्त भारत शपथ ली गई। दिनाङ्क 15.08.2026 को विद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिनाङ्क 03.09.2026 को श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबन्ध समिति, उज्जैन द्वारा आयोजित सांस्कृतिक सन्ध्या में विद्यालय के विद्यार्थियों ने साङ्गीतिक प्रस्तुति देकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। दिनाङ्क 04.09.2026 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उपदेशों एवं आदर्शों पर आधारित भाषण, भजन तथा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दिनाङ्क 05.09.2026 को शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर समस्त विद्यार्थियों के साथ संवाद एवं 'जीवन में शिक्षक का महत्त्व' विषय पर मार्गदर्शन भी किया गया।





प्रतिष्ठान की उन्नति, सुख-शान्ति एवं समृद्धि की मङ्गलकामना हेतु दिनाङ्क 06.09.2026 से 13.09.2026 तक रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान परिसर स्थित यज्ञशाला में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के वेदाध्यापकों एवं वेद विद्यार्थियों द्वारा भगवान शिव का विधिवत् रुद्राभिषेक सम्पन्न किया गया। उज्जैन में आयोजित 'युवा धर्म संसद-2026' में दिनाङ्क 17.09.2026 को वैदिक मङ्गलाचरण प्रस्तुत करने हेतु राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इसी क्रम में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन का नवम स्थापना दिवस समारोह दिनाङ्क 26 एवं 27 सितम्बर 2026 को श्रद्धा, उल्लास एवं वैदिक गरिमा के साथ आयोजित किया गया।





ख. श्री जगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी (ओडिशा)

प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित श्री जगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी में विभिन्न वैदिक, शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दिनाङ्क 16.07.2026 को भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में चतुर्वेद पारायण का आयोजन किया गया । दिनाङ्क 29.07.2026 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सभी विद्यार्थियों द्वारा महर्षि वेद व्यास की प्रतिमा का पूजन किया गया। दिनाङ्क 02.08.2026 को 'नशा मुक्त युवा अभियान' के अन्तर्गत माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्बोधन का श्रवण किया गया तथा नशा मुक्त भारत शपथ ली गई। दिनाङ्क 15.08.2026 को 80वाँ स्वतन्त्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । दिनाङ्क 25.08.2026 से संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों द्वारा विविध संस्कृत स्तोत्र, गीत, कथा, सम्भाषण आदि प्रस्तुत किए गए। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी में आयोजित संस्कृत सप्ताह के उदघाटन समारोह (दिनाङ्क 21.08.2026) एवं सम्पूर्ति समारोह (दिनाङ्क 28.08.2026) में वैदिक मङ्गलाचरण हेतु इस विद्यालय के वेद विद्यार्थियों ने

उक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। दिनाङ्क 27.08.2026 को श्रावणी उपाकर्म तथा रक्षाबन्धन पर्व मनाया गया। दिनाङ्क 14.09.2026 को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर विद्यालय में भगवान श्री गणेश की मूर्ति की विधि-विधानपूर्वक स्थापना की गई तथा दिनाङ्क 25.09.2026 को श्रद्धापूर्वक गणपति विसर्जन किया गया।






ग. राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका (गुजरात)

प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका (गुजरात) में विभिन्न वैदिक, शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दिनाङ्क 29.07.2026 को गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 02.08.2026 को 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत' कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनाङ्क 10.08.2026 को प्रदोष काल में चतुर्वेद स्तोत्र पारायण किया गया। दिनाङ्क 15.08.2026 को 80वें स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 28.08.2026 को श्रावणी उपाकर्म तथा रक्षाबन्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनाङ्क 29.08.2026 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में विद्यालय के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में वैदिक एवं सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय भावना, सामाजिक मूल्यों तथा खेल भावना के विकास को प्रोत्साहित किया गया। दिनाङ्क 05.09.2026 को राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, द्वारका का चतुर्थ स्थापना दिवस श्रद्धा एवं उल्लास के साथ आयोजित किया गया। दिनाङ्क 14.09.2026 को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर विद्यालय में भगवान श्री गणेश की मूर्ति की विधि-विधानपूर्वक स्थापना की गई तथा दिनाङ्क 25.09.2026 को श्रद्धापूर्वक गणपति विसर्जन किया गया।





घ. राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय,कर्नाटक

प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक में विभिन्न वैदिक, शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दिनाङ्क 29.07.2026 को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक में सभी विद्यार्थियों एवं गुरुजनों द्वारा व्यासपूजन तथा गुरुपूजन किया गया । दिनाङ्क 15.08.2026 को स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सभी अध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। दिनाङ्क 28.08.2026 को श्रावण शुक्ल पूर्णिमा के अवसर पर राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, कर्नाटक में उपाकर्म एवं रक्षाबन्धन कार्यक्रम सभी अध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा सम्पन्न किया गया । दिनाङ्क 04.09.2026 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीकृष्णपूजन एवं श्रीमद्भगवद्गीता का सम्पूर्ण पारायण सभी अध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा किया गया । दिनाङ्क 05.09.2026 को विद्यार्थियों तथा अध्यापकों ने अत्यन्त उत्साह के साथ शिक्षक दिवस मनाया। दिनाङ्क 14.09.2026 को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर विद्यालय में भगवान श्री गणेश की मूर्ति की विधि-विधानपूर्वक स्थापना की गई तथा दिनाङ्क 25.09.2026 को श्रद्धापूर्वक गणपति विसर्जन किया गया। दिनाङ्क 22.09.2026 को राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय,कर्नाटक का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह श्रद्धा एवं उल्लास के साथ आयोजित किया गया।







ङ. राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी (असम)

प्रतिष्ठान द्वारा सञ्चालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी (असम) में विभिन्न वैदिक, शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दिनाङ्क 14.07.2026 से 16.07.2026 पर्यन्त प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, सचिव , मसारावेविप्र, उज्जैन ने विद्यालय में प्रवास किया तथा शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं भौतिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने नवीन हॉल के निर्माण, भवन निर्माण कार्य में गति लाने, परिसर की स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं अन्य विकासात्मक कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। दिनाङ्क 16.07.2026 को विद्यार्थियों को भगवान श्रीजगन्नाथ रथयात्रा का दर्शन कराया गया तथा उसके धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व से अवगत कराया गया। दिनाङ्क 29.07.2026 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर व्यास पूजन किया गया। इस अवसर पर गुरु-शिष्य परम्परा एवं गुरु के महत्त्व पर विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को गुरु के प्रति श्रद्धा, अनुशासन एवं संस्कारों का सन्देश दिया गया।

दिनाङ्क 02.08.2026 को विद्यार्थियों को नशा मुक्ति एवं नशे के दुष्प्रभावों सम्बन्धी माननीय प्रधानमन्त्री जी का सम्बोधन दिखाया गया तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का सङ्कल्प दिलाया गया। दिनाङ्क 03, 10, 17 एवं 24 अगस्त को श्रावण मास के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सोमवार के अवसर पर विद्यालय के शिव मन्दिर में रुद्राभिषेक एवं पूजन किया गया। दिनाङ्क 15.08.2026 को स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनाङ्क 27.08.2026 को श्रावणी उपाकर्म का आयोजन दशविधि स्नान एवं वैदिक विधि-विधान के साथ किया गया तथा विद्यार्थियों को इसके धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व से अवगत कराया गया। दिनाङ्क 28.08.2026 को विद्यार्थियों एवं अध्यापकों द्वारा रक्षाबन्धन का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया।

दिनाङ्क 01.09.2026 को राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, गुवाहाटी का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह श्रद्धा एवं उल्लास के साथ आयोजित किया गया। दिनाङ्क 02.09.2026 से 18.09.2026 पर्यन्त रुद्राभिषेक सम्पन्न किया गया । इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों एवं अध्यापकों ने सामूहिक रूप से सहभागिता की। दिनाङ्क 05.09.2026 को विद्यार्थियों तथा अध्यापकों ने अत्यन्त उत्साह के साथ शिक्षक दिवस मनाया। दिनाङ्क 11.09.2026 को अमावस्या के दिन ऋग्वेद शाकल शाखा, शुक्ल यजुर्वेद काण्व शाखा, शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा, सामवेद कौथुम शाखा एवं अथर्ववेद शौनक शाखा का पारायण सभी अध्यापकगण एवं सम्बन्धित वेद शाखा के विद्यार्थियों द्वारा सम्पन्न हुआ। दिनाङ्क 14.09.2026 को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर विद्यालय में भगवान श्री गणेश की मूर्ति की विधि-विधानपूर्वक स्थापना की गई तथा दिनाङ्क 25.09.2026 को श्रद्धापूर्वक गणपति विसर्जन किया गया।









प्रतिष्ठान परम्परा अनुसार समस्त राष्ट्रीय वेद विद्यालयों में प्रत्येक प्रदोष एवं अमावस्या को वेदों की उपलब्ध समस्त शाखाओं का वेद पारायण किया गया।

प्रतिष्ठान द्वारा अनुदानित वेद पाठशालाओं में विविध गतिविधियों का विवरण

प्रतिष्ठान द्वारा अनुदानित विभिन्न वेद पाठशालाओं में विवेच्य अवधि में सम्पन्न हुए प्रमुख कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

श्री श्री अभिनव विद्यातीर्थ भारती वेद पाठशाला, राजपलायम, तमिलनाडु

श्री श्री अभिनव विद्यातीर्थ भारती वेद पाठशाला, राजपलायम, तमिलनाडु में दिनाङ्क 15.08.2026 को वटुकों, अध्यापकों एवं प्रबन्धन समिति द्वारा स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया।



स्वामी वेदान्ती वेदविद्या पीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश





स्वामी वेदान्ती वेदविद्या पीठ में दिनाङ्क 29.07.2026 को गुरु पूर्णिमा महोत्सव परम्परागत ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर वेद विद्यालय के समस्त वटुक एवं अध्यापक उपस्थित थे। नशा-मुक्ति अभियान के आलोक में दिनाङ्क 02.08.2026 को भारत के माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सम्बोधन सुनाया गया तथा विद्यालय की ओर से नशा-मुक्ति के सन्दर्भ में उद्बोधन दिया गया। दिनाङ्क 08.08.2026 को विद्यालय के वटुकों को पदग्रहण कराया गया, जिसका उद्देश्य वटुकों में कुशल नेतृत्व, अनुशासन, दायित्व, आत्मविश्वास एवं कर्तव्यनिष्ठ गुणों का विकास करना है। दिनाङ्क 15.08.2026 को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के माननीय उपाध्यक्ष प्रो. हृदयरञ्जन शर्मा के मुख्य आतिथ्य में वटुकों, अध्यापकों तथा विद्यालय प्रबन्धन ने स्वतन्त्रता दिवस उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। दिनाङ्क 27.08.2026 को वटुकों तथा अध्यापकों ने श्रावणी उपाकर्म में भाग लिया। दिनाङ्क 29.08.2026 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर समस्त वटुकों तथा अध्यापकों ने रस्साकशी, जलेबी दौड़ आदि खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।







श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, झूंसी, उत्तर प्रदेश

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, झूंसी में दिनाङ्क 07.07.2026 को नव प्रवेशित वटुकों का सामूहिक यज्ञोपवीत (उपनयन) संस्कार वैदिक विधि-विधान से किया गया। दिनाङ्क 14.07.2026 को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अन्तर्गत वैदिक ऋचाओं के सस्वर पाठ के साथ वृक्षारोपण किया गया। दिनाङ्क 29.07.2026 को विद्यालय के स्थापना दिवस पर गुरु पूर्णिमा एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें चतुर्वेदों का सस्वर पारायण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इसी दिन (दिनाङ्क 29.07.2026 को) बाल सुरक्षा की दृष्टि से एक कार्यशाला का आयोजन कर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।



दिनाङ्क 02.08.2026 को 'नशा-मुक्त युवा अभियान' के अन्तर्गत विद्यार्थियों एवं आचार्यों ने भारत के माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नशा-मुक्ति सम्बन्धी सम्बोधन का श्रवण किया। दिनाङ्क 15.08.2026 को स्वतन्त्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिनाङ्क 29.08.2026 को तीर्थराज प्रयाग में गङ्गा तट पर श्रावणी उपाकर्म एवं ऋषि पूजन तथा रक्षासूत्र-बन्धन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। दिनाङ्क 04.09.2026 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव भव्य रूप से मनाया गया तथा दिनाङ्क 05.09.2026 को शिक्षक दिवस पर सरस्वती वन्दना एवं गुरु पूजन का आयोजन किया गया।





साङ्गोपाङ्ग वेद विद्यापीठ आर्ष गुरुकुल, दिल्ली

दिनाङ्क 29.07.2026 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर समस्त अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने मिलकर वैदिक यज्ञ सम्पन्न किया। दिनाङ्क 15.08.2026 को विद्यालय परिसर में हर्षोल्लास के साथ स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया, जिसके अन्तर्गत गुरुकुल से प्रभात फेरी निकाली गई। इस अवसर पर अध्यापक, विद्यार्थी तथा प्रबन्ध समिति के सदस्य उपस्थित रहे। दिनाङ्क 28.08.2026 को श्रावणी उपाकर्म के साथ-साथ रक्षाबन्धन एवं संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। श्रावणी उपाकर्म से लेकर जन्माष्टमी तक चतुर्वेद पारायण का आयोजन किया गया। तदुपरान्त, दिनाङ्क 04.09.2026 को सायंकाल वेद सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने समवेत स्वर में सामूहिक मन्त्र पाठ किया।




श्री राधाकृष्ण वेद विद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

दिनाङ्क 29.07.2026 को विद्यालय में समस्त गुरुजनों तथा विद्यार्थियों ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महर्षि वेद व्यास का विधिवत पूजन एवं अर्चन किया। इस अवसर पर गुरु-शिष्य परम्परा के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। दिनाङ्क 14.08.2026 को स्वतन्त्रता दिवस की पूर्व सन्ध्या पर भव्य तिरङ्गा यात्रा का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 15.08.2026 को विद्यालय प्राङ्गण में स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुन्दर प्रस्तुतियाँ दी गईं। तदुपरान्त, श्रावण पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रावणी उपाकर्म का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 04.09.2026 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन अति भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विष्णुसहस्रनाम, श्री गोपालाष्टकम्, मधुराष्टकम् आदि स्तोत्रों का पाठ किया गया।




श्री शिवालय वेदविद्या मन्दिर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

दिनाङ्क 29.07.2026 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु-शिष्य परम्परा के महत्त्व पर तथा गुरुजनों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। वेद विद्यार्थियों द्वारा गुरु वन्दना एवं प्रेरणादायी प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गईं। दिनाङ्क 15.08.2026 को स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कर वेद विद्यार्थियों को देशभक्ति के सन्दर्भ में बताया गया साथ ही विद्यार्थियों ने गीत, भाषण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।



श्री वीर हनुमान ऋषिकुल वेद विद्यालय, चौमूं, राजस्थान

अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने दिनाङ्क 14.07.2026 को सभी अध्यापकों तथा विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा, सीपीआर आदि का प्रशिक्षण दिया। दिनाङ्क 22.07.2026 को नव प्रवेशित विद्यार्थियों का उपनयन किया गया। दिनाङ्क 29.07.2026 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सभी गुरुजनों एवं छात्रों ने महर्षि वेदव्यास का पूजन तथा गुरुवन्दन कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनाङ्क 02.08.2026 को नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत समस्त अध्यापकों एवं विद्यार्थियों को माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का राष्ट्र के नाम सम्बोधन का सीधा प्रसारण दिखाया गया एवं नशा मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई। दिनाङ्क 15.08.2026 को स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 22.08.2026 से 28.08.2026 तक विद्यालय में संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। दिनाङ्क 05.09.2026 को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में समस्त अध्यापकों तथा छात्रों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन वृत्त पर परिचर्चा करते हुए उनके योगदान पर प्रकाश डाला। दिनाङ्क 14.09.2026 को गणेश चतुर्थी का पावन अवसर मनाया गया।







श्री बाबा नीब करौरी जी वेद विद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

संस्कृत दिवस की पूर्व सन्ध्या पर दिनाङ्क 27.08.2026 को संस्कृत दिवस मनाया गया जिसके अन्तर्गत शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा तथा सामवेद कौथुम शाखा के छात्रों की वेद मन्त्रान्याक्षरी प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। तदुपरान्त, श्रावणी पर्व एवं मुहूर्त चिन्तन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापक तथा वटुक उपस्थित थे।



सती देबभाषा शिक्षा निकेतन, नदिया, पश्चिम बङ्गाल

सती देवभाषा शिक्षा निकेतन, नदिया, पश्चिम बङ्गाल में दिनाङ्क 15.08.2026 को स्वतन्त्रता दिवस का पावन अवसर अत्यन्त उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।



महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान की स्थापना, उद्देश्य एवं प्राधिकरण

वेद अध्ययन की श्रुति / मौखिक परम्परा को संरक्षित, संवर्धित एवं विकसित करने के उद्देश्य से सोसाइटी पञ्जीकरण अधिनियम, 1860 (1860 की XXI) के अनुसार दिल्ली सें 20 जनवरी 1987 को संस्थापना स्मरणपत्र और नियमों के पञ्जीयन सं S-17451/1987 के अन्तर्गत "राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान" नामक स्वायत्त संस्थान का अखिल भारतीय सोसाइटी के रूप में गठन किया गया। प्रतिष्ठान की स्थापना को शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार ने सङ्कल्प (Resolution) संख्या एफ. 6-3/85- संस्कृत-IV द्वारा दिनाङ्क 30 मार्च 1987 को राजपत्र द्वारा प्रकाशित कर उद्घोषित किया। सस्वर वेदघोष के साथ श्रावण पूर्णिमा/रक्षाबन्धन/वेदारम्भ के पावन दिन में राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान का उद्घाटन 10.08.1987 को राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली में हुआ।

महर्षि सान्दीपनि, जिन्होंने उज्जयिनी में अपने वेद-वेदाङ्ग-कला आदि विद्याओं का गुरुकुल की स्थापना कर भगवान् श्रीकृष्ण को समस्त वैदिक ज्ञान प्रदान किया था, उन के स्मरण में, मई 1993 में उज्जैन में स्थानान्तरित होने के उपरान्त महर्षि सान्दीपनि के स्मरण में "महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान" के नाम से भारत सरकार, शिक्षा मन्त्रालय की अधिसूचना संख्या F.6-21/92-संस्कृत-2 दिनाङ्क 24.12.1993 द्वारा राजपत्र खण्ड-1, अनुभाग-1 में राजपत्र द्वारा उज्जैन में उद्घोषित हुआ। महाकाल ज्योतिर्लिङ्ग से दक्षिण दिशा में, जवासिया गांव में मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदत्त 23.6 एकड़ भूखण्ड़ में प्रतिष्ठान का हरित परिसर है एवं विविध भवन निर्मित हैं।

प्रतिष्ठान की संस्थापना स्मरणपत्र में उल्लिखित 12 उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

(i) वेद अध्ययन की श्रुति-परम्परा का संरक्षण, परिरक्षण, संवर्धन एवं विकास, जिस के लिए प्रतिष्ठान विभिन्न कार्यकलाप प्रारम्भ करेगा। जैसा कि पारम्परिक वैदिक संस्थाओं और विद्वानों को सहायता, छात्रवृत्तियाँ आदि देना, दृश्य और श्रव्य टेप रिकार्डिंग आदि।

(ii) वेद विद्वानों एवं वेद पण्डितों के माध्यम से मौखिक सस्वर वेदपाठ की परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखना एवं उस पर बल देना।

(iii) वेद में उच्चतर शोध हेतु समर्पित विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देना।

(iv) जिन विद्यार्थियों को वेद में निष्णता प्राप्त है, उन्हें शोध की सुविधाएं देना और उनमें समुचित वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना; जिससे कि वेदों में जो आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान है, विशेष रूप से गणित, खगोलशास्त्र, ऋतुविज्ञान, रसायनशास्त्र, द्रव्यचालिकी (हाइड्रोलिक्स) आदि के बारे में, उस का समसामयिकता/तादात्म्य आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी से स्थापित किया जा सके साथ ही वेद विद्यार्थियों तथा आधुनिक विद्वानों के बीच घनिष्ठ वैचारिक सम्बन्ध स्थापित किया जा सके।

(v) देशभर में वेद पाठशालाओं और शोध केन्द्रों की स्थापना, उनका अधिग्रहण, प्रबन्ध चलाना या उनका पर्यवेक्षण या प्रतिष्ठान के किसी भी उद्देश्य के लिए उनका सञ्चालन करना या भरण-पोषण आदि करना।

(vi) जो भी वेद के धर्मस्व या न्यास बन्द हो चुके हैं, या ठीक ढंग से नहीं चलाए जा रहे हैं, उनको फिर से उज्जीवित करना एवं वेद प्रसार हेतु उनका प्रबन्ध पुनः चलाना।

(vii) उन शाखाओं की ओर विशेष ध्यान देना जो लुप्त हो चुकी हैं, जिन के निपुण जानकार पण्डितों को खोजकर उन पण्डितों की व्यापक सूची तैयार करना।

(viii) यह पता लगाना कि वेदों की श्रुति-परम्परा में विशेष प्रकार के सस्वर वेद पाठ कौन-कौन से हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों, संस्थाओं और मठों में प्रचलित हैं तथा उनकी वर्तमान स्थिति क्या है।

(ix) वेद शाखाओं की विभिन्न उच्चारण परम्पराओं की मूल-पाठ सामग्रियों, पाण्डुलिपियों के मुद्रण, ग्रन्थ, पुस्तकें, टीकाएँ, भाष्य एवं व्याख्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

(x) देश में नाना वेद शाखाओं के दृश्य या श्रव्य रिकॉर्ड उपलब्ध हैं उन के बारे में जानकारी संग्रह करना।

(xi) अत्यन्त प्राचीन काल से अद्यतन काल तक वेद मूलपाठ एवं वैदिक साहित्य में निहित वैज्ञानिक ज्ञान, जिनमें विज्ञान, कृषि, प्रौद्योगिकी, दर्शन-शास्त्र, योग, शिक्षा, काव्यशास्त्र, भाषाविज्ञान और वैदिक परम्परा के क्षेत्र सम्मिलित हैं, की उन्नति हेतु अनुसन्धान करना तथा ग्रन्थालय, अनुसन्धान सुविधाएँ, मानव शक्ति तकनीकी स्टाफ आदि का प्रावधान करना।

(xii) प्रतिष्ठान की संस्थापना स्मरणपत्र के अनुरूप, प्रतिष्ठान के सभी उद्देश्यों या उद्देश्य की सफल प्राप्ति हेतु आवश्यक, आनुषङ्गिक या सहायक सभी कार्यकलाप प्रारम्भ करना ।

महासभा, शासी परिषद एवं वित्त समिति प्रतिष्ठान के प्राधिकरण हैं। भारत सरकार के माननीय शिक्षा मन्त्री जी प्रतिष्ठान के योजना निकाय महासभा एवं प्राशासनिक निकाय शासी परिषद के अध्यक्ष हैं। भारत सरकार के माननीय शिक्षा मन्त्री जी द्वारा माननीय उपाध्यक्ष जी नामित किए जाते हैं। माननीय उपाध्यक्ष जी वित्त समिति एवं परियोजना समिति के माननीय अध्यक्ष हैं।

प्रतिष्ठान के विभिन्न कार्यकलाप

प्रतिष्ठान द्वारा देश भर में वेद के प्रचार-प्रसार के लिये- वेद पाठशालाओं, गुरु शिष्य परम्परा इकाइयों, राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, शोध एवं प्रकाशन, सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशाला, वेद पारायण, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, वेद प्रशिक्षण, वेद ज्ञान सप्ताह, वैदिक कक्षाएँ, वेद टेप रिकार्डिंग, घर बैठे वेदों की शिक्षा, वयोवृद्ध एवं वेद पाठियों-नित्याग्निहोत्रियों को वित्तीय सहायता आदि योजनागत कार्य किए जाते हैं । प्रतिष्ठान द्वारा वैदिक परम्परा के सरंक्षण के लिए सञ्चालित योजनाएँ :-

1. वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना (गुरु शिष्य योजना एवं पाठशाला योजना)
2. वेद शोध केन्द्र
3. वैदिक प्रशिक्षण केन्द्र
4. राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय
5. वैदिक सामग्री संग्रहालय
6. वेद-विज्ञान प्रदर्शनी
7. शोध, प्रकाशन एवं पुस्तकालय
8. यज्ञशाला एवं ध्यान मंडप गतिविधियां
9. वेद ज्ञान सप्ताह समारोह
10. सभी के लिये वैदिक कक्षाएँ
11. वैदिक सम्मेलन एवं संगोष्ठियाँ
12. वैदिकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
13. सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या पुरस्कार
14. वेदविद्या शोध पत्रिका एवं वेदवार्ता वार्तापत्र
15. पत्राचार पाठ्यक्रम : घर बैठे वेदों की शिक्षा
16. वयोवृद्ध वेदपाठियों, नित्याग्निहोत्रियों को वित्तीय सहायता
17. वैदिक वनौषधि परियोजना
18. वैदिक कौशल विकास परियोजना

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड को मान्यता

क. शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता

शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार ने दिनाङ्क 08.09.2022 के अपने पत्र सं.3-14/2018-Skt.I के माध्यम से महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड (मसारावेसंशिबोर्ड) को एक नियमित विद्यालय बोर्ड के रूप में मान्यता प्रदान की है। तदनुसार, मसारावेसंशिबोर्ड द्वारा प्रदत्त वेद भूषण पञ्चम वर्ष (कक्षा 10वीं) और वेद विभूषण द्वितीय वर्ष (कक्षा 12वीं) प्रमाणपत्र हमारे देश में स्थित उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और केन्द्र / राज्य सरकारों के संस्थानों/निकायों में रोजगार के प्रयोजन से भारत के अन्य केन्द्र/राज्य विद्यालय बोर्डों द्वारा प्रदत्त प्रमाणपत्रों के समतुल्य हैं।

(लिंक 1:https://msrvvp.ac.in/Board_letter_from_ME_MOE.pdf;

लिंक 2 : https://www.education.gov.in/national-boards)

ख. भारतीय विश्वविद्यालय संगठन द्वारा मान्यता

भारतीय विश्वविद्यालय संगठन ने 03 अगस्त 2022 के अपने पत्र सं. AIU/EV/ IN(I)2022/ MSRVSSB के माध्यम से मसारावेसंशिबोर्ड की परीक्षाओं/अर्हताओं/पाठ्यक्रमों को भारत में उच्चतर शिक्षण संस्थानों / पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए और केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारों के अधीन रोजगार के प्रयोजन से केन्द्र / राज्य विद्यालय बोर्डों के 10वीं और 12वीं बोर्ड/माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर की परीक्षाओं/अर्हताओं/पाठ्यक्रमों के समतुल्यता प्रदान की है।

(लिंक 1: https://msrvvp.ac.in/AIU-Letter.pdf ;

लिंक 2: https://msrvvp.ac.in/Equivalence_Letter_from_AIU_250124_214435.pdf)

ग. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने दिनाङ्क 13-09-2022 के अपने परिपत्र सं. AICTE/P&AP/Misc/2022 के माध्यम से मसारावेसंशिबोर्ड की स्थापना को मान्यता प्रदान की है और मसारावेसंशिबोर्ड, उज्जैन द्वारा सञ्चालित 10वीं ओर 12वीं ग्रेड की बोर्ड परीक्षा / अर्हता/ पाठ्यक्रमों को भारत में उच्चतर शिक्षण संस्थानों / पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए और केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारों के अधीन रोजगार के प्रयोजन से भारत के अन्य केन्द्र/राज्य विद्यालय बोर्डों द्वारा सञ्चालित परीक्षा/ अर्हता के समतुल्यता प्रदान की है।

वेद भूषण अर्थात् पञ्चम वर्ष (10 वीं कक्षा) और वेद विभूषण अर्थात् सप्तम वर्ष (12वीं कक्षा) हेतु बोर्ड की अंक तालिका विद्यार्थियों को 2022-23 से जारी की जा रही है।

(लिंक: https://msrvvp.ac.in/Circular_paP_220924_115837.pdf)

घ. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 03 सितम्बर 2024 के अपने पत्र अ.शा. सं. 14-2/2023(CPP-II) (C-133004) के माध्यम से सभी विश्वविद्यालयों और उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों से अनुरोध किया था कि उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और केन्द्र/राज्य सरकारों के संस्थानों में रोजगार के प्रयोजन से अन्य केन्द्र/राज्य विद्यालय बोर्डों द्वारा सञ्चालित परीक्षा/अर्हता/पाठ्यक्रमों के साथ महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान (मसारावेविप्र) के अधीन महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड (मसारावेसंशिबोर्ड), उज्जैन द्वारा सञ्चालित 10वीं और 12वीं ग्रेड की बोर्ड परीक्षा/अर्हता/पाठ्क्रमों की समतुल्यता के सन्दर्भ में शिक्षा मन्त्रालय द्वारा 08 अगस्त 2022 के कार्यालय ज्ञापन का ध्यान रखने और इसके अनुसरण में आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

(लिंक : https://msrvvp.ac.in/ugc_recognition.pdf)

वेदभूषण एवं वेदविभूषण की परीक्षा रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम संरचना

वेदभूषण (कक्षा-6ठी से कक्षा-10वीं) तथा वेदविभूषण (कक्षा-11वीं एवं कक्षा -12वीं) की परीक्षा रूपरेखा और पाठ्यक्रम संरचना को अत्यन्त ध्यानपूर्वक इस प्रकार तैयार किया गया है कि वेद छात्रों की वैदिक एवं आधुनिक विषयों की अधिगम प्रगति, पारम्परिक दक्षता तथा सर्वाङ्गीण विकास का समुचित मूल्याङ्कन किया जा सके।

पाठ्यक्रम में पारम्परिक वैदिक शिक्षा एवं आधुनिक शैक्षणिक विषयों का समन्वय किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को सन्तुलित एवं समग्र शैक्षिक अनुभव प्राप्त हो सके। जहाँ आधुनिक विषयों की शैक्षणिक सामग्री सीबीएसई तथा राज्य शिक्षा बोर्डों के मानकों के अनुरूप पूर्णतः सामञ्जस्यित है, वहीं वैदिक अध्ययन (वेद अध्यायन) अब भी प्राचीन एवं प्रतिष्ठित परम्परागत गुरुकुल पद्धति के अनुरूप ही कराया जाता है जिसमें चयन की गई वेद शाखा का सस्वर वेद अध्ययन, सन्ध्या, अग्निकार्य, वेद पारायण, श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ तथा यज्ञ में सहभागिता सम्मिलित हैं, जिससे वैदिक परम्परा की प्रामाणिकता, अनुशासन तथा मौखिक सम्प्रेषण की पारम्परिक पद्धति अक्षुण्ण बनी रहती है। यह समन्वित दृष्टिकोण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अनुरूप है, जो भारत की समृद्ध पारम्परिक ज्ञान-परम्पराओं को आधुनिक शिक्षा के साथ एकीकृत करने पर बल देती है।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड (मसारावेसंशिबोर्ड) के पाठ्यक्रम एवं पाठ्यविवरण को NCERT द्वारा परीक्षित एवं पुनरीक्षित तथा सम्बद्धता उपविधि तथा परीक्षा उपविधि को CBSE द्वारा पुनरीक्षित किया गया है, जिससे राष्ट्रीय शैक्षणिक विश्वसनीयता तथा स्थापित शैक्षिक मानकों के अनुपालन की सुनिश्चित होती है। उपविधियों/पाठ्यक्रम को आवश्यकतानुसार राष्ट्रीय मानकों के अनुसार समय-समय पर अद्यतन किया जाएगा।

वेदभूषण (कक्षा-6ठी से कक्षा-10वीं) तथा वेदविभूषण (कक्षा-11वीं एवं कक्षा -12वीं) की परीक्षा रूपरेखा और पाठ्यक्रम संरचना को अत्यन्त ध्यानपूर्वक इस प्रकार तैयार किया गया है कि वेद छात्रों की वैदिक एवं आधुनिक विषयों की अधिगम प्रगति, पारम्परिक दक्षता तथा सर्वाङ्गीण विकास का समुचित मूल्याङ्कन किया जा सके।

पाठ्यक्रम में पारम्परिक वैदिक शिक्षा एवं आधुनिक शैक्षणिक विषयों का समन्वय किया गया है, ताकि विद्यार्थियों को सन्तुलित एवं समग्र शैक्षिक अनुभव प्राप्त हो सके। जहाँ आधुनिक विषयों की शैक्षणिक सामग्री सीबीएसई तथा राज्य शिक्षा बोर्डों के मानकों के अनुरूप पूर्णतः सामञ्जस्यित है, वहीं वैदिक अध्ययन (वेद अध्यायन) अब भी प्राचीन एवं प्रतिष्ठित परम्परागत गुरुकुल पद्धति के अनुरूप ही कराया जाता है जिसमें चयन की गई वेद शाखा का सस्वर वेद अध्ययन, सन्ध्या, अग्निकार्य, वेद पारायण, श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ तथा यज्ञ में सहभागिता सम्मिलित हैं, जिससे वैदिक परम्परा की प्रामाणिकता, अनुशासन तथा मौखिक सम्प्रेषण की पारम्परिक पद्धति अक्षुण्ण बनी रहती है। यह समन्वित दृष्टिकोण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अनुरूप है, जो भारत की समृद्ध पारम्परिक ज्ञान-परम्पराओं को आधुनिक शिक्षा के साथ एकीकृत करने पर बल देती है।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड (मसारावेसंशिबोर्ड) के पाठ्यक्रम एवं पाठ्यविवरण को NCERT द्वारा परीक्षित एवं पुनरीक्षित तथा सम्बद्धता उपविधि तथा परीक्षा उपविधि को CBSE द्वारा पुनरीक्षित किया गया है, जिससे राष्ट्रीय शैक्षणिक विश्वसनीयता तथा स्थापित शैक्षिक मानकों के अनुपालन की सुनिश्चित होती है। उपविधियों/पाठ्यक्रम को आवश्यकतानुसार राष्ट्रीय मानकों के अनुसार समय-समय पर अद्यतन किया जाएगा।

वेदभूषण एवं वेदविभूषण की परीक्षा प्रणाली के निम्नलिखित घटक हैं :

1. सस्वर वेद मौखिक परीक्षा, जिसका उद्देश्य पारम्परिक वैदिक अध्ययन की मूल दक्षताओं का मूल्याङ्कन करना है, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:

(I) कण्ठस्थीकरण – वेद मन्त्रों के परिशुद्ध स्मरण क्षमता का परीक्षण;

(ii) सस्वर पाठ – सही अनुतान, उच्चारण एवं वैदिक मन्त्रोच्चार के निर्धारित पाठ-पद्धति के पालन का आकलन;

(iii) उच्चारण – वैदिक मानकों के अनुसार ध्वन्यात्मक शुद्धता सुनिश्चित करना।

2. सहगामी आधुनिक विषयों की लिखित परीक्षा, जिसमें संस्कृत, अंग्रेज़ी, सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान, भारतीय ज्ञान परम्परा तथा वैदिक साहित्य का इतिहास जैसे विषय सम्मिलित हैं। ये परीक्षाएँ छात्रों की मुख्यधारा के शैक्षणिक विषयों में प्रवीणता का मूल्याङ्कन करती हैं, जिससे वे वैदिक अध्ययन के साथ-साथ समकालीन शैक्षिक मानकों को भी प्राप्त कर सकें।

3. अतिरिक्त विषयों की परीक्षा, जिसमें मातृभाषा, योग एवं ध्यान, कम्प्यूटर शिक्षा, सामाजिक रूप से उपयोगी उत्पादक कार्य (SUPW), व्यक्तित्व विकास तथा नैतिक शिक्षा सम्मिलित हैं। ये विषय वैदिक छात्रों के समग्र विकास में योगदान करते हैं क्योंकि ये उनकी सांस्कृतिक आधारशिला को सुदृढ़ करते हैं, डिजिटल साक्षरता को बढ़ाते हैं, शारीरिक एवं मानसिक कल्याण को संवर्धित करते हैं, सामाजिक दायित्वबोध विकसित करते हैं तथा मूल्य-आधारित चरित्र निर्माण को सशक्त बनाते हैं।

4. वेद-सम्बन्धित कौशल विकास एवं उद्यमिता पाठ्यक्रमों की परीक्षा: इन परीक्षाओं में लिखित, प्रायोगिक, मौखिक परीक्षा (Viva-Voce) तथा परियोजना कार्य घटक के रूप में सम्मिलित हैं। ये सभी घटक वैदिक छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक जीवन-कौशल, व्यावसायिक दक्षताओं, विश्लेषणात्मक चिन्तन तथा व्यावहारिक ज्ञान को विकसित करने के उद्देश्य से अभिकल्पित हैं।

अनुलग्नक - 1

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के "वेद भूषण" (दसवीं /पूर्व मध्यमा समकक्ष) एवं "वेद विभूषण" (बारहवीं / उत्तर-मध्यमा समकक्ष) पाठ्यक्रमों को समकक्ष मान्यता प्रदान करने वाले विश्वविद्यालयों के नाम

1. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, 56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली द्वारा
   पत्र सं. 8-2/RSKS/Acd/Misc./2009-10/92 दिनाङ्क 23 जून, 2011/केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली
   वेद भूषण समकक्ष (10वीं) **वेद विभूषण** समकक्ष (10 + 2)
2. राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति (आ.प्र.) द्वारा
   पत्र सं. RSVP/Recg/2011-12/1283 दिनाङ्क 15 दिसम्बर, 2011/राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति
   वेद भूषण समकक्ष एस.एस.सी. (10वीं) **वेद विभूषण** समकक्ष प्राक शास्त्री (10+2)
3. श्री वेङ्कटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति, आं.प्र. द्वारा पत्र सं. SVVU/R.Peshi/Gen/103/2012 दिनाङ्क 13 जुलाई, 2012
   वेद भूषण समकक्ष ---- **वेद विभूषण** समकक्ष माध्यमिक एवं 10+2 परीक्षा
4. कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेङ्गलुरु, कर्नाटक द्वारा पत्र सं. KSU/SSN/2012-13/185 दिनाङ्क 19 नवम्बर, 2012
   वेद भूषण समकक्ष वेद प्रवेश एवं वेद मूल /काव्य **वेद विभूषण** समकक्ष साहित्य
5. जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान द्वारा
   पत्र सं./जरारासंविवि/शैक्ष./12/5955 दिनाङ्क 11/10/2012
   वेद भूषण समकक्ष ---------- **वेद विभूषण** समकक्ष वरिष्ठ उच्चतर माध्यमिक
6. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, ओडिशा द्वारा
   पत्र सं. 4454/2013S.J.S.V., Puri Aca - 13/2000 दिनाङ्क 30 अप्रैल, 2013
   वेद भूषण समकक्ष ---------- **वेद विभूषण** समकक्ष उपशास्त्री (+2 कला)
7. श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय) काञ्चीपुरम, तमिलनाडु
   द्वारा पत्र सं. F/SCSVMV/REG/2012-13/D396 दिनाङ्क 27 जून, 2013
   वेद भूषण समकक्ष 10वीं **वेद विभूषण** समकक्ष 12वीं
8. गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखण्ड द्वारा
   पत्र सं. Acad/Res/2065/2013-14 दिनाङ्क 14 सितम्बर, 2013
   वेद भूषण समकक्ष विद्याधिकारी **वेद विभूषण** समकक्ष विद्याविनोद
9. महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा द्वारा पत्र सं. AC - 3/F - 208/2014/7221 दिनाङ्क 27 मार्च, 2014
   वेद भूषण समकक्ष विद्याधिकारी **वेद विभूषण** समकक्ष विद्याविनोद
10. उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार, द्वारा पत्र सं. 850/प्रशासन/2016 दिनाङ्क 03 फरवरी, 2016
    वेद भूषण समकक्ष --------- **वेद विभूषण** समकक्ष 12वीं
11. इलाहाबाद विश्वविद्यालय, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा पत्र सं. CS/AC -4/2019/1246 दिनाङ्क 15 अप्रैल, 2019
    वेद भूषण समकक्ष 10वीं **वेद विभूषण** समकक्ष 12वीं
12. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), केन्द्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा
    पत्र सं. आई.जी./एस.आर.डी./आर-IV/समकक्ष/2019/590 दिनाङ्क 4 अप्रैल, 2019
    वेद भूषण समकक्ष 10वीं **वेद विभूषण** समकक्ष 12वीं

13. पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा पत्र सं. ST -1802 दिनाङ्क 12 फरवरी, 2019

वेद भूषण समकक्ष मध्यमा **वेद विभूषण** समकक्ष प्राक शास्त्री

14. कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार द्वारा पत्र सं. 741 दिनाङ्क 13 जून, 2019

वेद भूषण समकक्ष मध्यमा **वेद विभूषण** समकक्ष उपशास्त्री

15. कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत -पुरातनाध्ययन विश्वविद्यालय, नलबारी, असम द्वारा पत्र सं. KBVS & ASU/Reg-I-C/101-411 दिनाङ्क 2 मार्च, 2020

वेद भूषण समकक्ष 10वीं **वेद विभूषण** समकक्ष 12वीं (शास्त्री –बी.ए. में प्रवेश हेतु)

16. केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला द्वारा पत्र सं. 1-1/हि.प्र.वि.वि./शै/2010/खंड – VI/4359 दिनाङ्क 28 जुलाई, 2020 वेदविभूषण पाठ्यक्रम उत्तीर्ण छात्र विज्ञान सम्बन्धी पाठ्यक्रम को छोड़कर अन्य स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु योग्य हैं।

17. श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली -110016 द्वारा पत्र सं. F 3/12/LBSV/Acad./ 2020/ 2492 / 357 दिनाङ्क 11 सितम्बर, 2020 वेदविभूषण पाठ्यक्रम उत्तीर्ण छात्र (12वीं के समकक्ष) विविध स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मापदण्ड पूर्ण करने पर प्रवेश हेतु योग्य है ।

18. सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ. प्र. द्वारा पत्र सं. SSVV/12/Shai.1114/2020 दिनाङ्क 17 दिसम्बर, 2020

वेद भूषण समकक्ष पूर्व मध्यमा **वेद विभूषण** समकक्ष उत्तर मध्यमा

19. महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा पत्र क्र. मपासंवि/अका/21-22/1102 दिनाङ्क 07 फरवरी, 2022

वेद भूषण 10वीं समकक्ष **वेद विभूषण** 12वीं समकक्ष

टिप्पणी- इन विश्वविद्यालयों ने "वेद भूषण" और "वेद विभूषण" पाठ्यक्रमों को वेद, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, सामाजिक विज्ञान आदि आधुनिक विषयों के साथ निर्धारित पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण होने पर स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मान्यता दी है।

सचिव/Secretary,
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड
(शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा संस्थापित तथा केन्द्रीय व राज्य बोर्डों के समकक्ष मान्यता प्राप्त ; भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त)
MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDAVIDYA PRATISHTHAN
(An autonomous organization under Ministry of Education, Govt. of India)
MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDA SANSKRIT SHIKSHA BOARD
(Established and Recognized by the Ministry of Education, Government of India and is on par with Central and State Boards ; Recognized by Association of Indian Universities, New Delhi)

प्रेषक / From

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006
Vedavidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasiya, Ujjian (M.P.) 456006
दूरभाष /Telephone : (0734) 2502254, 2502255
ई-मेल /E-mail : msrvvpujn@gmail.com
वेबसाइट / Website : www.msrvvp.ac.in

सेवा में / To, **Book-Post**

